आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11। अंक 128। मूल्य - 2 रुपए। पृष्ठ-08। नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक

आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, मंगलवार, 13 मई, 2025

पीएम मोदी का पाकिस्तान सहित पूरी दुनिया को दो टूक संदेश : स्थगित है कार्रवाई, आतंक और पीओके पर ही होगी बात

हमारे वीर सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए असीम शौर्य का प्रदर्शन किया

एजेंसी ● नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान तनावपूर्ण रिश्तों के बीच आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रात ने आज देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा, बीते दिनों में हमने देश का सामर्थ्य और उसका संयम दोनों देखा है। मैं सबसे पहले भारत की पराक्रमी सेनाओं, सशस्त्र बलों, हमारी खुफिया एजेंसियों, हमारे वैज्ञानिकों को हर भारतवासी की तरह से सलाम करता हूं। हमारे वीर सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए असीम शौर्य का प्रदर्शन किया। मैं हमारे देश की हर माता को, देश की हर बहन को और देश की हर बेटी को यह वीरता, साहस, पराक्रम को आज समर्पित करता हूं। 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकियों ने जो बर्बरता दिखाई थी, उसने देश और दुनिया को झकझोर दिया था। छुट्टियां मना रहे निर्दोष मासूम नागरिकों को धर्म पूछकर उनके परिवार के सामने, उनके बच्चों के सामने बेरहमी से मार डाला गया था। यह आतंक का बहुत वीभत्स चेहरा था। क्रूरता थी। यह देश के सद्भाव को तोड़ने की घिनौनी कोशिश भी थी। मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से यह पीड़ा बहुत बड़ी थी।

बहन और बेटियों के माथों से सिंदूर हटाने का अंजाम

इस आतंकी हमले के बाद सारा राष्ट्र, हर नागरिक, हर वर्ग, हर समाज, हर राजनीतिक दल एक स्वर में आतंक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए उठ खड़ा हुआ। हमने आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने के लिए भारत की सेनाओं को पूरी छूट दे दी और आज हर आतंकी, आतंक का हर संगठन जान चुका है कि हमारी बहन और बेटियों के माथों से सिंदूर हटाने का अंजाम क्या होता है। पीएम मोदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ नाम नहीं है। यह देश के कोटि-कोटि लोग भावनाओं का प्रतिबिंब है। ऑपरेशन सिंदूर न्याय की अखंड प्रतिज्ञा है। 6 मई की दूर रात, 7 मई की सुबह पूरी दुनिया ने इस प्रतिज्ञा को परिणाम में बदलते देखा है।

राष्ट्र सर्वोपरि होता है तो फौलादी फैसले लिए जाते हैं

भारत की सेनाओं ने पाकिस्तान में आतंक के ठिकानों पर, उनके ट्रेनिंग सेंटर्स पर सटीक प्रहार किया। आतंकियों ने सपने में भी नहीं सोचा था कि भारत इतना बड़ा फैसला ले सकता है, लेकिन जब देश एकजुट होता है, नेशन फर्स्ट की भावना से भरा होता है, राष्ट्र सर्वोपरि होता है तो फौलादी फैसले लिए जाते हैं। परिणाम लाकर दिखाए जाते हैं।

बड़े-बड़े आतंकी हमलों के तार इन्हीं ठिकानों से जुड़ते हैं

जब पाकिस्तान में आतंक के अड्डों पर भारत की मिसाइलों ने हमला किया, भारत के ड्रोन्स ने हमला बोला तो आतंकी संगठनों की इमारतें ही नहीं, बल्कि उनका हौसला भी थर्रा गया। बहावलपुर और मुरीदके जैसे आतंकी ठिकाने एक प्रकार से ग्लोबल टेररिज्म की यूनिवर्सिटी रहे हैं। दुनिया में कहीं पर भी जो बड़े आतंकी हमले हुए हैं, चाहे 9/11 हो, चाहे लंदन ट्यूब बॉम्बिंग हो या भारत में दशकों से बड़े-बड़े आतंकी हमले हुए हैं, उन सभी के तार कहीं न कहीं आतंक के इन्हीं ठिकानों से जुड़ते रहे हैं।

100 से अधिक आतंकवादियों को मौत के घाट उतारा गया

आतंकियों ने हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा है, इसलिए भारत ने आतंक के ये मुख्यालय उजाड़ दिए हैं। भारत के इन हमलों ने 100 से अधिक खूंखार आतंकवादियों को मौत के घाट उतारा गया है। आतंक के बहुत सारे आका बीते ढाई-तीन दशकों से खुलेआम पाकिस्तान में घूम रहे थे, जो भारत के खिलाफ साजिशें करते थे। उन्हें भारत ने एक झटके में खत्म कर दिया।

पाकिस्तान ने हमारे सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'साथियों! भारत की इस कार्रवाई से पाकिस्तान घोर निराशा में घिर गया था। हताशा में घिर गया था। बौखला गया था और इसी बौखलाहट में उसने एक और दुस्साहस किया। आतंक पर भारत की कार्रवाई का साथ देने के बजाय पाकिस्तान ने भारत पर ही हमला करना शुरू कर दिया। पाकिस्तान ने हमारे स्कूलों-कॉलेजों, गुरुद्वारों, मंदिरों, सामान्य नागरिकों के घरों को निशाना बनाया। पाकिस्तान ने हमारे सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, लेकिन इसमें भी पाकिस्तान खुद बेनकाब हो गया।

भारत ने पाकिस्तान के सीने पर वार किया

दुनिया ने देखा कि कैसे पाकिस्तान के ड्रोन्स, पाकिस्तान की मिसाइलें भारत के सामने तिनके की तरह बिखर गईं। भारत के सशक्त एयर डिफेंस सिस्टम ने उन्हें आसमान में ही नष्ट कर दिया। पाकिस्तान की तैयारी सीमा पर वार की थी, लेकिन भारत ने पाकिस्तान के सीने पर वार कर दिया।

तबाही के बाद पाकिस्तानी सेना ने हमारे डीजीएमओ से संपर्क किया

पीएम मोदी ने कहा कि भारत के ड्रोन्स, भारत की मिसाइलों ने सटीकता से हमला किया। पाकिस्तानी वायुसेना के एयरबेस को नुकसान पहुंचाया, जिन पर पाकिस्तान को बहुत घमंड था। भारत ने पहले तीन दिन में ही पाकिस्तान को इतना तबाह कर दिया, जिसका उसे अंदाजा भी नहीं था। इसलिए भारत की आक्रामक कार्रवाई के बाद पाकिस्तान बचने के रास्ते खोजने लगा। पाकिस्तान दुनियाभर में तनाव कम करने के लिए गुहार लगा था और बुरी तरह पिटने के बाद इसी मजबूरी में 10 मई की दोपहर को पाकिस्तानी सेना ने हमारे डीजीएमओ से संपर्क किया। तब तक हम आतंकवाद के इन्फ्रास्ट्रक्चर को बड़े पैमाने पर तबाह कर चुके थे। आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया गया था। पाकिस्तान के सीने में बसाए गए आतंक के अड्डों को हमने खंडहर बना दिया था। इसलिए जब पाकिस्तान की तरफ से गुहार लगाई गई, पाकिस्तान की तरफ से जब यह कहा गया कि उसकी ओर से आगे कोई आतंकी गतिविधि और सैन्य दुस्साहस नहीं दिखाया जाएगा, तो भारत ने उस पर भी विचार किया। मैं फिर दोहरा रहा हूं कि हमने पाकिस्तान के आतंकी और सैन्य ठिकानों पर अपनी जवाबी कार्रवाई को अभी सिर्फ स्थगित किया है। आने वाले दिनों में हम पाकिस्तान के हर कदम को इस कसौटी पर मापेंगे कि वह क्या रवैया अपनाता है।

पानी और खून भी एक साथ नहीं बह सकते

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट संदेश दिया और कहा, साथियों! हर प्रकार के आतंकवाद के खिलाफ हम सभी का एकजुट रहना हमारी एकता हमारी सबसे शक्ति होगी। निश्चित तौर पर यह युग युद्ध का नहीं है, लेकिन यह युग आतंकवाद का भी नहीं है। आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस बेहतर दुनिया की गारंटी है। पाकिस्तानी फौज, पाकिस्तान की सरकार जिस तरह आतंकवाद को खाद-पानी दे रहे हैं, वो एक दिन पाकिस्तान को ही समाप्त कर देगा। पाकिस्तान को अगर बचना है तो उसे अपने टेरर इन्फ्रास्ट्रक्चर का सफाया करना ही होगा। इसके अलावा शांति का कोई रास्ता नहीं है। भारत का मत एकदम स्पष्ट है- टेरर और टॉक, एकसाथ नहीं हो सकते। टेरर और ट्रेड एकसाथ नहीं चल सकते। सिंधु जल संधि के निलंबन की तरफ इशारा करते हुए पीएम मोदी ने साफ किया कि पानी और खून भी एकसाथ नहीं बह सकते।

ऑपरेशन सिंदूर ने लड़ाई में नई लकीर खींची

प्रधानमंत्री ने कहा, 'साथियों! भारत की तीनों सेनाएं, वायुसेना, थलसेना और नौसेना, हमारे सीमा सुरक्षा बल, भारत के अर्द्धसैनिक बल लगातार अलर्ट पर हैं। सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के बाद अब ऑपरेशन सिंदूर आतंक के खिलाफ भारत की नीति है। ऑपरेशन सिंदूर ने आतंक के खिलाफ लड़ाई में एक नई लकीर खींच दी है। एक नया पैमाना। न्यू नॉर्मल तय कर दिया है।'

पहला- भारत पर आतंकी हमला हुआ तो मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। हम अपने तरीके से, अपनी शर्तों पर जवाब देकर रहेंगे। हर उस जगह जाकर कठोर कार्रवाई करेंगे, जहां से आतंक की जड़ें निकलती हैं।

दूसरा- कोई भी न्यूक्लियर ब्लैकमेल भारत नहीं सहेगा।

तीसरा- हम आतंक की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखेंगे।

भारत का शक्तिशाली होना बहुत जरूरी है

मैं आज विश्व समुदाय को भी कहूंगा कि हमारी घोषित नीति रही है कि अगर पाकिस्तान से बात होगी तो आतंकवाद पर ही बात होगी। अगर पाकिस्तान से बात होगी तो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पीओके पर ही होगी। प्रिय देशवासियो! आज बुद्ध पूर्णिमा है। भगवान बुद्ध ने हमें शांति का रास्ता दिखाया। शांति का मार्ग भी शक्ति से होकर जाता है। मानवता शांति और समृद्धि की ओर बढ़े, हर भारतीय शांति से जी सकते, विकसित भारत के सपने को पूरा सके, इसके लिए भारत का शक्तिशाली होना बहुत जरूरी है और आवश्यकता पड़ने पर इस शक्ति का इस्तेमाल भी जरूरी है और पिछले कुछ दिनों में भारत ने यही किया है।

भारतवासियों के हौसले और एकजुटता को सलाम

मैं एक बार फिर भारत की सेना और सशस्त्र बलों को सैल्यूट करता हूं। हम भारतवासियों के हौसले, हर भारतवासी का एकजुटता का सफर और संकल्प को नमन करता हूं। देशवासियों को धन्यवाद देते हुए प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के अंत में तीन बार भारत माता की जय की उद्घोषणा भी की।

आतंकियों को विदाई देने पाकिस्तानी सेना के बड़े-बड़े अफसर उमड़े

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने पाकिस्तान का वह घिनौना सच देखा है, जब मारे गए आतंकियों को बिदाई देने पाकिस्तानी सेना के बड़े-बड़े अफसर उमड़ पड़े। स्टेट स्पॉन्सर्ड टेररिज्म का यह बहुत बड़ा सबूत है। हम किसी भी खतरे से बचाने के लिए लगातार निर्णायक कदम उठाते रहेंगे।

21वीं सदी के वारफेयर में मेड इन इंडिया डिफेंस उपकरणों का समय

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'साथियों! युद्ध के मैदान पर हमने हर बार पाकिस्तान को धूल चटाई है और इस बार ऑपरेशन सिंदूर ने नया आयाम जोड़ा है। हमने रेगिस्तान और पहाड़ों में अपनी क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया है। साथ ही न्यू एज वारफेयर में भी अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है।

एयर मार्शल ए.के. भारती ने बताया ऑपरेशन सिंदूर का संदेश

भय बिनु होइ न प्रीति... समझदार के लिए इशारा ही काफी

एजेंसी ● नई दिल्ली

भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर होने के बाद ऑपरेशन सिंदूर पर तीनों सेनाओं के डीजी ऑपरेशंस की प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। भारत की सैन्य कार्रवाई पर एयर मार्शल ए.के. भारती ने कहा कि हमारी लड़ाई आतंकवादियों और उनके आकाओं से हैं, न कि पाकिस्तानी सेना से। उन्होंने कहा कि अफसोस इस बात का है कि पाकिस्तानी सेना ने हस्तक्षेप करने और आतंकवादियों का पक्ष लेने का विकल्प चुना, जिसके कारण हमें जवाब देने के लिए मजबूर होना पड़ा।

एयर मार्शल ए.के. भारती से पत्रकार ने पूछा कि इस अभियान का संदेश क्या है। इसके जवाब में उन्होंने रामचरितमानस की चौपाई सुनाकर जवाब दिया। उन्होंने कहा, "विनय ना मानत जलधि जड़ गए तीन दिन बीति, बोले राम सकोप तब भय बिनु होय ना प्रीति। तो समझदार के लिए इशारा ही काफी है। एक पत्रकार ने एयर मार्शल ए.के. भारती से पूछा कि क्या भारत ने किराना हिल्स पर हमला किया है? इसके जवाब में उन्होंने कहा, "हमें यह बताने के लिए धन्यवाद कि किराना हिल्स में कुछ परमाणु इंस्टालेशन हैं, हमें इसके बारे में पता नहीं था। हमने किराना हिल्स पर हमला नहीं किया है, चाहे वहां कुछ भी हो। उन्होंने कहा, "हमारे सभी एयर बेस, हमारी सभी सिस्टम पूरी तरह से चालू हैं और आवश्यकता पड़ने पर भविष्य में किसी भी मिशन को पूरा करने के लिए तैयार हैं।

'पहलगाम तक पाप का घड़ा भर चुका था...'

भारतीय सेना में डीजीएमओलेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि आतंकी घटनाओं के तौर-तरीकों में बदलाव आ रहा है। हमारी मिलिट्री के साथ-साथ हमारे मासूम नागरिक जो अपना बचाव करने में असफल थे, उन पर भी हमले हो रहे थे। 2024 में जम्मू में शिवखोरी मंदिर जाते हुए तीर्थयात्रियों पर हमले और इस साल अप्रैल में पहलगाम में मासूम पर्यटकों पर हमला इस खतरनाक ट्रेंड के विशेष उदाहरण हैं। उन्होंने कहा पहलगाम तक पाप का ये घड़ा भर चुका था, उसके बाद जो हुआ, उसके बारे में हम विस्तार से बात कर चुके हैं। हमने स्ट्राइक की। हमें पूरा अंदेशा था कि पाकिस्तान का वार भी होगा इसलिए हमने अपने एयर डिफेंस की पूरी तैयारी कर ली थी। हम तैयारथे। हमारा एयर डिफेंस सिस्टमभी तैयार था। हमारा एयर डिफेंस सिस्टम दीवार की तरह खड़ा था। इसको भेदना दुश्मन के लिए असंभव था। हमने हमले से निपटने की तैयारी की थी। जब हौसले बुलंद हों तो मंजिलें भी कदम चूमती हैं। हमने पाकिस्तान की चीनी मूल की मिसाइल PL-15 भी गिराई।

डीआरडीओ बना रहा ह्यूमेनॉयड लड़ाके रोबोट

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिक एक ऐसे मानवरोबोट (ह्यूमनॉइड रोबोट) के विकास पर काम कर रहे हैं, जो अग्रिम पंक्ति के सैन्य मिशनों में हिस्सा ले सके। इस रोबोट का उद्देश्य उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में सैनिकों की जान को खतरे में डाले बिना जटिल कार्यों को अंजाम देना है।

पुणे में सेंटर फॉर सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज फॉर एडवांस्ड रोबोटिक्स के समूह निदेशक एस.ई. तलोले ने बताया कि उनकी टीम पिछले चार साल से इस परियोजना पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमने ऊपरी और निचले शरीर के लिए अलग-अलग प्रोटोटाइप विकसित किए हैं।

आंतरिक परीक्षणों के दौरान कुछ कार्यों को सफलतापूर्वक हासिल किया है। यह ह्यूमनॉइड रोबोट जंगल जैसे कठिन इलाकों में भी काम कर सकेगा। हाल ही में पुणे में आयोजित नेशनल वर्कशॉप ऑन एडवांस्ड लेग्ड रोबोटिक्स में इस रोबोट को प्रदर्शित किया गया था। तलोले ने कहा कि सबसे बड़ी चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि रोबोट वांछित कार्यों को सुचारू रूप से कर सके। इसके लिए संतुलन, तीव्र डेटा प्रोसेसिंग और जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन में महारत हासिल करना आवश्यक है। डिज़ाइन टीम का नेतृत्व कर रहे वैज्ञानिक किरण अकेला ने बताया कि शोधकर्ता इन पहलुओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। 2027 तक इस परियोजना को पूरा करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

सीजफायर के बाद भी कई जगह दिखे ड्रोन, जालंधर में हुए धमाके

एजेंसी ● अमृतसर

भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद भी जालंधर में ड्रोन दिखाई देने की खबरें सामने आ रही हैं। इसके अलावा अमृतसर में ब्लैक आउट की वजह से एक फ्लाइट को दिल्ली डायवर्ट कर दिया गया है। वहीं जालंधर के सुरनासी गांव में सात से आठ धमाके सुने जाने की खबर सामने आई है। सुरक्षाबल फिलहाल ड्रोन्स को नष्ट करने में जुटे हुए हैं। सांबा और कठुआ जिले के सीमांत क्षेत्रों में ड्रोन देखे गए। कुछ जगहों पर लोगों ने एहतियातन स्वैच्छिक ब्लैकआउट किया। वहीं, जम्मू शहर में पुलिस ने लाइटें बंद करवा दीं।

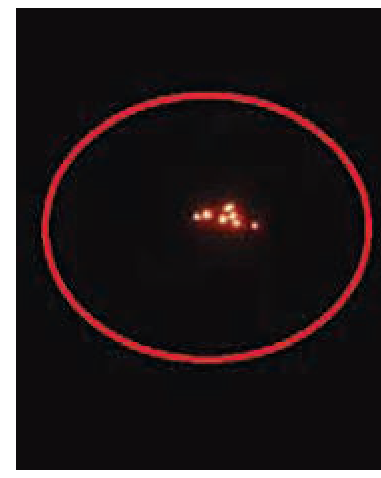

फायरिंग बंद करने पर सहमति

इससे पहले भारत और पाकिस्तान के सैन्य महानिदेशकों के बीच सीमा पर फायरिंग पर पूरी तरह रोक को लेकर सहमति बनी। दोनों पक्षों के बीच में भारत और पाकिस्तान के बीच आज DGMO स्तर की वार्ता की गई। यह वार्ता पहले सोमवार दोपहर 12 बजे के लिए निर्धारित की गई थी लेकिन किन्ही कारणों से इसे आगे बढ़ा शाम को कर दिया गया था। पाकिस्तान अब इस टकराव को आगे नहीं बढ़ाएगा। पाकिस्तान ने कहा कि वह सीजफायर का उल्लंघन नहीं करेगा। सीमाओं पर सैनिकों की संख्या घटाने पर सहमति जताई। दोनों पक्षों ने एक भी गोली न चलाने और शत्रुतापूर्ण कार्रवाई रोकने का वादा किया।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा : भारत-पाकिस्तान के बीच में परमाणु संघर्ष अमेरिकी मध्यस्थता की वजह से रुक गया

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि भारत-पाकिस्तान के बीच में परमाणु संघर्ष अमेरिकी मध्यस्थता की वजह से रुक गया है। ट्रंप ने कहा, "शनिवार को मेरे प्रशासन ने भारत और पाकिस्तान के बीच तत्काल युद्धविराम कराने में मदद की। मुझे लगता है कि यह स्थायी युद्धविराम होगा। भारत और पाकिस्तान का नेतृत्व अडिग था। मैंने कहा कि युद्ध नहीं रोकोगे तो व्यापार नहीं करेंगे। जबकि शीर्ष सूत्रों का कहना है कि युद्ध विराम में अमेरिका की कोई भूमिका नहीं थी। भारत ने सिर्फ़ पाक डीजीएमओ के इस अनुरोध पर सहमति जताई थी कि अगर आप रुकेंगे तो हम रुकेंगे।

अंतरमन को छू लेने वाले संगीत, अलौकिक ऊर्जा और चाँद की रोशनी के जादुई एहसास की रात

बॉन फ़ोई 65 में दिल्ली पर छाया सूफी स्टार हीर वालिया का जादू

एजेंसी ● नई दिल्ली

ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित बॉन फ़ोई 65 में सितारों से सजे मखमली आसमान के नीचे गीत-संगीत और रूहानी एहसास की बेजोड़ जुगलबंदी नज़र आई, जहाँ मशहूर सूफी गायिका हीर वालिया ने अपने बेमिसाल लाइव परफॉर्मेंस से दिल्ली को मंत्रमुग्ध कर दिया। रूफटॉप पर बना यह रमणीक स्थल पहले से ही अपने आकर्षक माहौल और लजीज व्यंजनों के लिए मशहूर है, जो बीते शनिवार की रात को मधुर आवाज़ और रूहानी एहसास की पावन जगह में तब्दील हो गया। शहर का आकाश जब दूर से झिलमिलाता हुआ दिखाई दे रहा था, तब वालिया की दिल को छू लेने वाली आवाज़ रोज़मर्रा की ज़िंदगी के शोरगुल की सीमाओं को पार कर रही थीं, जिसमें उन्होंने बुल्ले शाह की कविताओं, अमीर खुसरो के उल्लास और पीढ़ियों से चली आ रही लोक परंपराओं को एक धागे में पिरोकर अपने अंदाज़ में प्रस्तुत करके सबका मन मोह लिया।

माहौल

कविता की हर पंक्ति एक इबादत थी, हर धुन दिल में बसी भावनाओं के ताने-बाने की एक डोर की तरह थी, जिसने दर्शकों को बांधे रखा। अपनी पहली सांस से लेकर अंतिम राग तक, वालिया ने केवल प्रस्तुति नहीं दी— बल्कि उन्होंने आध्यात्मिकता का अनुभव भी कराया। वहाँ मौजूद लोगों में डेट पर आए जोड़े, संगीत के पारखी, खान-पान के शौकीन और आध्यात्मिक एहसास की तलाश करने वाले शामिल थे, और वे सभी मंत्रमुग्ध होकर बैठे थे, ताल के साथ झूम रहे थे, कई लोग गीत के शब्दों को दोहरा रहे थे, कुछ की आँखें बंद थीं और मन के दरवाजे खुले हुए थे।

ज्यादातर लोगों ने माना कि यह शाम उनके जीवन में एक बदलाव लेकर आई है और उनकी भावनाओं को व्यक्त करते हुए अनन्या मेहता ने कहा, 'मैं डिनर के लिए आई थी और रूहानी एहसास के लिए यहीं रुक गई। ये एक कॉन्सर्ट से ज़्यादा एक आध्यात्मिक समागम जैसा लग रहा था।' आयोजन स्थल ने भी अपनी भव्यता से इस अवसर की शोभा बढ़ाई। धीमी, सुनहरी रोशनी बेहतरीन ढंग से सजाए गए मेजों पर मधुर चमक बिखेर रही थी, जिन पर मेडिटरेनियन व्यंजन, बेहद उम्दा इंडियन-फ्यूजन पकवान और लज़ीज़ डिज़र्ट इस तरह परोसे गए थे कि बेहद संयमी व्यक्ति के लिए भी खुद को रोक पाना मुश्किल था। हर्ब्स, मसालों और एक जादुई स्पर्श से तैयार किए गए

सिग्नेचर कॉकटेल संगीत की लय की तरह ही आसानी से परोसे जा रहे थे।

हाल ही में हीर वालिया की सूफी नाइट के बारे में बात करते हुए, क्लब बॉन फ़ोई 65 के सह-संस्थापक एवं क्रिएटिव डायरेक्टर, अमित बिश्नोई ने कहाः 'हम शुरुआत से ही एक ऐसी जगह तैयार करने के विज़न के साथ आगे बढ़े हैं, जहाँ संस्कृति विकसित हो और रिश्ते मजबूत हों। हीर वालिया के परफॉर्मेंस ने उस सोच को हकीकत में बदल दिया— यह पूरी तरह से जादुई अनुभव था।' बॉन फ़ोई 65, की सह-संस्थापक एवं एक्सपीरियंस क्यूरेटर, अवनि यादव ने कहाः 'लोगों को सिर्फ़ डाइनिंग के लिए नहीं, बल्कि संगीत के ज़रिए गहरी भावना का अनुभव करने के लिए एक साथ आते देखना ही बॉन फ़ोई का उद्देश्य है।

ऐसी रातें हमें याद दिलाती हैं कि हमने यह सफ़र क्यों शुरू किया था — जो कला, दिल की गहराइयों में बसे एहसास और मेलजोल के उत्सव का सफ़र है।' जैसे ही वालिया ने खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट और एक और प्रस्तुति की ज़ोरदार माँग के बीच अपना कार्यक्रम समाप्त किया, तो पूरा माहौल केवल तालियों से ही नहीं गूंज रहा था— बल्कि उसमें अभिवादन, सम्मान और साथ बिताए गए ऐसे लम्हे का अचूक जादू समाया था, जिसे जल्दी भुलाया नहीं जा सकेगा। जो लोग इस अवसर से वंचित रह गए, उन्हें बॉन फ़ोई 65 यकीन दिलाता है कि ऐसी और भी मनमोहक शामें उनका इंतज़ार कर रही हैं— जहाँ स्वादिष्ट व्यंजनों का भावनाओं से मिलन होता है, और धुनें अंतिम स्वर के फीके पड़ जाने के बाद भी लंबे समय तक दिलो-दिमाग में बसी रहती हैं।

बॉन फ़ोई 65 का परिचय

ईस्ट ऑफ कैलाश के बीचों-बीच स्थित, क्लब बॉन फ़ोई 65 दक्षिणी दिल्ली में अव्वल दर्जे के रुफटॉप डायनिंग और सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करने वाला प्रीमियर डेस्टिनेशन है। बेहद उम्दा माहौल को सावधानीपूर्वक तैयार किए गए व्यंजनों के अनुभव के साथ जोड़ने वाला यह स्थान, पूरी दुनिया के बेहतरीन ज़ायकों, बेहतरीन कॉकटेल और लाइव मनोरंजन की अपनी सहज जुगलबंदी के लिए जाना जाता है। चाहे वह जगमगाते सितारों के नीचे एक रुहानी संगीत की रात हो, दोस्तों के संग स्वादिष्ट व्यंजनों का उत्सव हो, या शानदार भोजन के साथ सुकून भरी शाम के आनंद की बात हो, बॉन फ़ोई 65 में भोजन, कला और बेहतरीन माहौल का संगम है, जहां आप सब कुछ भूलकर सिर्फ आनंद का अनुभव करेंगे। सामुदायिक भावना, रचनात्मकता और सावधानीपूर्वक तैयार किए गए अनुभवों पर विशेष ध्यान देते हुए, बॉन फ़ोई 65 राजधानी में मेहमाननवाजी और नाइटलाइफ के माहौल को लगातार नया रुप दे रहा है।

शॉट न्यूज

हाथोंहाथ बिक गए 90 हजार दर्जन हापुस आम

इंदौर। शहर में ग्रामीण हाट बाजार, पर चल रहे मराठी सोशल ग्रुप के सालाना आयोजन 'मैंगो जत्रा' में रविवार को बड़ी संख्या लोग पहुंचे। किसानों के चेहरों पर भी अलग ही खुशी झलक रही थी। तीन दिनों में शाम 5 बजे तक करीब 90 हजार दर्जन से अधिक हापुस आम स्वाद के शौकीनों ने खरीदे। शहर की स्वादप्रेमी जनता ने जिओ टैग की विश्वसनीयता पर भरपूर भरोसा जताया और उत्साहपूर्वक प्रतिसाद दिया। ग्रुप के सुधीर दांडेकर और राजेश शाह ने बताया कि तीसरे दिन भी रत्नागिरी और देवगढ़ के आम खरीदने के लिए स्वाद प्रेमी सुबह 7 बजे से ही मैंगो जत्रा में पहुंचने लगे थे। मैंगो जत्रा में कुल 90 हजार दर्जन आम इंदौरवासियों ने खरीदे। सुबह 9 बजे से देर शाम तक लोगों ने मैंगो जत्रा में जमकर आमों की खरीदी की और पूरे परिवार के साथ फूड जोन का लुत्फ उठाया।

इंदौर समेत 5 जिलों में फर्जी बैंक का खुलासा, डेढ़ करोड़ की ठगी

इंदौर। इंदौर समेत 5 जिलों में फर्जी बैंकिंग कंपनी का खुलासा हुआ है। दो युवकों ने IDCS INDIA नाम की कंपनी बनाई। निवेशकों को स्टेट बैंक ऑफ मॉरीशस के फर्जी दस्तावेज दिखाकर लाखों की एफडी कराई। आरोपियों ने 6 फीसदी मासिक ब्याज का लालच देकर 81 लोगों से डेढ़ करोड़ रुपए ठग लिए। इन पैसों से लग्जरी कार और बाइक खरीदी। अनूपपुर पुलिस ने कंपनी के सीईओ योगेश श्रीवास (22) और ब्रांच मैनेजर दीपक उपाध्याय (28) को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया था। रविवार दोपहर 2 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। आरोपी अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट और इंदौर में फर्जी बैंकिंग कार्यालय चला रहे थे। आरोपी युवक योगेश ने 13 अक्टूबर 2023 को फाइनेंशियल कंसल्टेंसी के नाम पर कंपनी का जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराया था।

11 जोड़ों की शादियां रूकीं, पाकिस्तान को कोस रहे वर-वधू और परिजन

इंदौर। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की ग्यारह युवतियों के निःशुल्क सामूहिक विवाह की सारी तैयारियां उस समय धराशायी हो गईं, जब प्रशासन से आयोजन की अनुमति नहीं मिली। साईं भक्तों द्वारा इस आयोजन की योजना बनाई गई थी, जिसमें दूल्हा-दुल्हन बनने वाले युवक-युवतियों और उनके परिजन बेहद उत्साहित थे, लेकिन अब इनकी खुशियों पर विराम लग गया है। आयोजकों का कहना है कि पिछले कई वर्षों से वे आर्थिक रूप से कमजोर युवतियों का निःशुल्क विवाह कराते आ रहे हैं और इस वर्ष 17 मई को इसी परंपरा के तहत विवाह आयोजन तय था। मीडिया में खबर आने के बाद आयोजकों को पता चला कि भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव के कारण प्रशासन से अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया गया है।

फनस्कूल की ओर से लॉन्च हुए नए आकर्षक खिलौने और गेम्स

अब की बार गर्मियों में बच्चों की रचनात्मकता को मिलेगी उड़ान

एजेंसी ● चेन्नई

फनस्कूल इंडिया लिमिटेड, देश की एक प्रमुख खिलौना निर्माता कंपनी, ने खिलौनों और गेम्स की एक रोमांचक नई लाइन-अप का अनावरण किया है जो बच्चों को इन गर्मियों में व्यस्त रखने के साथ-साथ उनकी रचनात्मकता को भी नई उड़ान देगा। फनस्कूल के लोकप्रिय इन-हाउस ब्रांड्स जैसे गिगल्स, हैंडीक्राफ्ट्स, प्ले एंड लर्न और फनडो की ओर से कल्पनाशील रोलप्ले सेट और शैक्षिक बोर्ड गेम से लेकर खूबसूरती से तैयार की गई पज़ल और आर्टिस्टिक किट जैसे नए गेम्स लॉन्च हुए हैं। नवीनतम गेम केटेगरी में फनडो मेगा केक फैक्ट्री, फनडो ब्रेकफास्ट सेट, स्कॉटलैंड यार्ड डीलक्स, स्कॉटलैंड यार्ड जूनियर, ट्रायोमिनोस, सीक्वेंस फॉर किड्स, डॉबल किड्स, क्यूब कॉन्कर और रुम्मिकब जॉय शामिल हैं। शिशुओं, टॉडलरों और प्रीस्कूली बच्चों के लिए, फनस्कूल ने गिगल्स ब्रांड के तहत वुडन वंडरलैंड प्लेजिम, यूनिकॉर्न ज़ाइलोफोन, बी ब्लॉसम स्टेकर, वॉबल्स ट्रेन एक्सप्रेस, जूनियर सैंड प्लेसेट और एनिमल स्क्वीकर्स (2 और 4 के सेट में उपलब्ध) लॉन्च किए हैं।

क्राफ्ट पसंद करने वाले बच्चों के लिए हैंडीक्राफ्ट्स की ओर से कैनवास आर्ट फैंटेसी, पेपा पिग थीम वाली स्क्रैपबुक और फिंगर-पेंटिंग बेस्ड ऑन एनिमल किंगडम उपलब्ध होंगे। प्ले एंड लर्न रेंज के एजुकेशनल पज़ल में अब अलग-अलग लेवल की मुश्किलों वाले पज़ल मिलेंगे - फेयरी 4-इन-1 पज़ल (120 पीस), पांडा पज़ल (300 पीस) और पेचीदा कोलोसियम पज़ल (1000 पीस)। ये गेम्स उच्च गुणवत्ता वाले कार्डबोर्ड का उपयोग करके तैयार किए गए हैं जो टिकाऊ होने के साथ-साथ इंटरलॉक करने में भी आसान हैं और बच्चों को इनसे एक संतोषजनक तथा शैक्षिक अनुभव मिलता है। इस लाइन-अप का आखरी उत्पाद बहुप्रतीक्षित बैटमोबाइल है, जो एक्शन और रोमांच पसंद करने वालों के लिए बिलकुल सही है।

लॉन्च पर बोलते हुए, फनस्कूल इंडिया के सीईओ के. ए. शबीर ने कहा, 'फनस्कूल में, हम सुरक्षित, उच्च गुणवत्ता वाले खिलौने बनाने का जुनून रखते हैं जिससे बच्चों की कल्पनाशक्ति और सीख को बढ़ावा मिलता है। नवाचारों पर फोकस करके हम सुनिश्चित करते हैं कि हर नए लॉन्च के साथ बच्चों के विकास में सहायता हो और उनका खेल अधिक मनोरंजक भी बने। इस बार गर्मी में लॉन्च किए गए नए कलेक्शन में आपको रचनात्मकता और शिक्षा का बेजोड़ मेल देखने को मिलेगा, जो खेल के अनुभव को मनोरंजक और ज्ञान वर्धक बनाता है।' नया कलेक्शन अब सभी स्टोर्स में 249 की शुरुआती कीमतों से लेकर 2,749 तक की कीमत में उपलब्ध हैं।

तकनीकी उन्नयन से यात्रियों को लाभ

इंटरलॉकिंग प्रणाली के माध्यम से संरक्षा में मजबूती

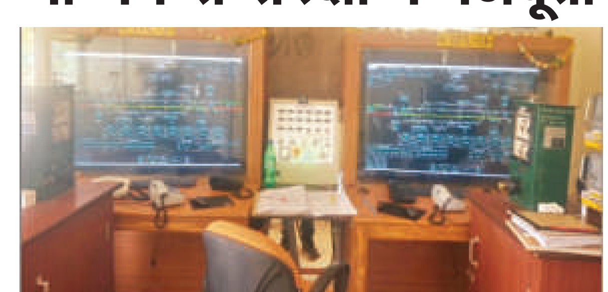

संवाददाता ● भोपाल

रेल संरक्षा और परिचालन दक्षता को सुदृढ़ बनाने की दिशा में भारतीय रेलवे द्वारा तकनीकी सुधारों को प्राथमिकता दी जा रही है। इस क्रम में, इंटरलॉकिंग प्रणाली एक ऐसी आधुनिक तकनीक है जो ट्रेन संचालन में सिग्नल, ट्रैक स्विच और पॉइंट्स के बीच समन्वय स्थापित कर किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना को न्यूनतम करती है। यह प्रणाली सुनिश्चित करती है कि जब तक मार्ग पूर्ण रूप से सुरक्षित न हो, तब तक सिग्नल 'हरा' न हो और ट्रेन उस मार्ग पर प्रवेश न करे।

भोपाल मंडल में हाल ही में आठ स्टेशनों पर इंटरलॉकिंग प्रणाली का आधुनिकीकरण किया गया है, जहां अब इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (EI) प्रणाली प्रभावी रूप से कार्य कर रही है। इस आधुनिक प्रणाली के माध्यम से न केवल संचालन सुरक्षित हुआ है, बल्कि मानवीय त्रुटियों की संभावना भी नगण्य हो गई है। वर्तमान में मंडल के 50 से अधिक स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली कार्यरत है। इसके अतिरिक्त, बीना गुड्स यार्ड में पुरानी यांत्रिक प्रणाली को हटाकर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग को लागू किया गया है, जिससे असुरक्षित परिस्थितियों की संभावना में उल्लेखनीय कमी आई है। इससे न केवल संरक्षा मजबूत हुई है, बल्कि ट्रेनों का संचालन अधिक दक्षता से संभव हो पाया है। इसी प्रकार, मंडल के तलवड़िया यार्ड का भी सफलतापूर्वक पुनर्संयोजन किया गया है, जिसमें टर्नआउट अपग्रेड, सैंड हम्प की स्थापना एवं सिग्नलिंग के पुनर्निर्धारण जैसे कार्य सम्मिलित हैं। इससे लूप लाइनों पर ट्रेनों के आगमन व प्रेषण की प्रक्रिया अधिक सुगम व सुरक्षित हुई है।

इसके अतिरिक्त, भोपाल–इटारसी खंड में ऑटोमेटिक सिग्नलिंग प्रणाली की स्थापना से सेक्शन की परिचालन क्षमता में वृद्धि दर्ज की गई है। इसका प्रत्यक्ष लाभ ट्रेनों की गति और समयबद्धता में सुधार के रूप में यात्रियों को मिल रहा है। सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग में कार्यरत 901 तकनीकी कर्मचारियों को समय-समय पर इरिसेट सिकंदराबाद एवं भायकला मुंबई जैसे संस्थानों में विशेष तकनीकी प्रशिक्षण हेतु भेजा जा रहा है, जिससे वे नवीनतम तकनीकों के अनुरूप दक्ष बने रहें।

आगामी महीनों में मंडल के कई अन्य स्टेशनों पर भी इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, आईबीएस , एसएसआई, सीटीसी और 'कवच' जैसी आधुनिक सुरक्षा प्रणालियों के कार्य प्रस्तावित हैं। ये सभी पहल रेलवे को और अधिक संरक्षित, विश्वसनीय और आधुनिक बनाने की दिशा में निर्णायक सिद्ध होंगी। भोपाल मंडल यात्रियों की संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तकनीकी सुदृढ़ता की दिशा में निरंतर अग्रसर है। इंटरलॉकिंग प्रणाली का यह सशक्त नेटवर्क रेलवे की संरचना को भविष्य के लिए तैयार कर रहा है।

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के समर स्किल्स कार्निवाल में स्टूडेंट्स दिखा रहे प्रतिभा

संवाददाता ● भोपाल

युवाओं में रचनात्मकता एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने की पहल के तहत स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी द्वारा "समर स्किल्स कार्निवाल" का आयोज.न किया जा रहा है। 1 मई से आयोजित किया गया यह समर स्किल्स कार्निवाल 10 जून तक चलेगा। इस कार्निवाल में विभिन्न स्किल्स में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं द्वारा प्रतिभागिता करते हुए अपने रचनात्मक कौशल को विभिन्न विधाओं में तराशा जा रहा है।

समर स्किल्स कार्निवाल का संयोजन कर रही डॉ. टीना तिवारी ने बताया कि फाइन आर्ट्स में क्ले मॉडलिंग, पेंटिंग एवं प्रिंट मेकिंग, आर्ट एवं क्राफ्ट; डिजाइनिंग में डिजाइन योर स्पेस, कटिंग एवं स्टिचिंग; स्पोर्ट्स में फुटबॉल, क्रिकेट, कराते; ब्यूटी

एवं वेलनेस के अंतर्गत प्रोफेशनल साड़ी ड्रेपिंग, मेहंदी, सेल्फ ग्रूमिंग; परफॉर्मिंग आर्ट्स में एक्टिंग स्किल्स, कथक, तबला, ढोलक, हारमोनियम, सिंथेसाइजर, सिंगिंग एवं डांस; और स्पॉटलाइट के अंतर्गत स्टेज एंकरिंग एवं क्रिएटिव राइटिंग का प्रशिक्षण रचनात्मक अंदाज में प्रदान किया जा रहा है।

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने एसजीएसयू की इस अनूठी पहल की प्रशंसा की है और कहा कि यह युवाओं एवं बच्चों के व्यक्तित्व एवं कौशल विकास के लिए महत्वपूर्ण है। वहीं एसजीएसयू के कुलगुरू डॉ. विजय सिंह ने कहा कि कौशल विकास की हमारी प्रतिबद्धता के अंतर्गत यह रचनात्मक पहल की गई है जो युवाओं के कौशल विकास के प्रति सजग बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। एसजीएसयू के रजिस्ट्रर डॉ. सितेश कुमार सिन्हा ने कहा कि कौशल विश्वविद्यालय के रूप में हम लगातार प्रयास कर रहे हैं युवा कौशल के महत्व को समझें। इसी कड़ी में यह समर स्किल्स कार्निवाल की पहल की गई है।

ग्राम्या संस्था की ब्रांड एम्बेसडर अंतर्राष्ट्रीय

कराते खिलाड़ी सुप्रिया जाटव ने छात्राओं को सिखाये आत्मरक्षा के गुर

संवाददाता ● भोपाल

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी सभागार को ग्राम्या संस्था एवं एलएनसीटी द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में"श्रृंगार बने हथियार" के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय कराते खिलाड़ी सुप्रिया जाटव ने स्थानीय विद्यालय के छात्रों को आत्मरक्षा के महत्वपूर्ण गुर सिखाए। इस आयोजन का उद्देश्य विशेष रूप से किशोरियों और किशोरों को आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाना था। ग्राम्या संस्था की पहल पर महिलाओं के लिए आत्मरक्षा कौशल विकास एवं सशक्तिकरण विषयक कार्यक्रम आयोजित किया गया !

आत्मरक्षा

सुप्रिया जाटव, जिन्होंने कई अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व किया है, ने बच्चों को कराते की बुनियादी तकनीकें, विपरीत परिस्थितियों में सतर्क रहने के उपाय और आत्मविश्वास बढ़ाने के तरीकों से अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कई व्यावहारिक अभ्यास भी किए। सुप्रिया जाटव ने बताया कि "आज के समय में आत्मरक्षा एक आवश्यक कौशल है, और इसे सीखना हर विद्यार्थी का अधिकार और आवश्यकता है।" ग्राम्या संस्था के संस्थापक डॉ पंकज शुक्ला ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर भविष्य में भी आयोजित किए जाएंगे ताकि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे भी आधुनिक और आवश्यक शिक्षा से वंचित न रहें।

अभिभावकों और शिक्षकों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे समय की मांग बताया और बच्चों की सुरक्षा के लिए ऐसे कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने का अनुरोध किया।

कार्यक्रम में सुश्री सुप्रिया जाटव अंतरराष्ट्रीय कराटे चैंपियन एवं डॉ. पंकज शुक्ला संचालक ग्राम्या एवं आसरा संस्था विशिष्ट अतिथि रहे। श्रीमती पूर्व शर्मा त्रिवेदी कार्यक्रम की संयोजक रहीं। कार्यक्रम में क्रिस्प संस्था के पूर्व डरेक्टर एवं ग्राम्या के एड्वाइज़र डॉ रंजन कुमार सहित एलएनसीटी विश्वविद्यालय की महिला फैकल्टीज और छात्राएं बड़ी संख्या में सम्मिलित हुईं। इस अवसर पर श्री दीपक सक्सेना, पूर्व सहायक कमांडेंट,मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, एलएनसीटी यूनिवर्सिटी द्वारा कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन देते हुए, वर्तमान परिवेश एवं सूचना प्रौद्योगिकी के युग में महिलाओं और बालिकाओं के लिए आसन्न खतरों और सुरक्षा उपायों के विषय में विस्तार से जानकारी दी।डॉ. पंकज शुक्ला ने समाज में महिलाओं की सुरक्षा में आत्मरक्षा कौशल के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी महिलाओं को यह कौशल सीखने के लिए प्रेरित किया। सुश्री सुप्रिया जाटव द्वारा छात्राओं और छात्रों को साथ लेकर आत्मरक्षा कौशल के गुर सिखाए गए जिससे सभी बहुत लाभान्वित हुए।

शॉर्ट न्यूज

मेहमान बनकर घुसे चोर महिला के जेवर ले उड़े

इंदौर। लसड़िया थाना क्षेत्र में दो बदमाश शादी वाले घर में मेहमान बनकर घुसे और महिला के जेवर चुराकर ले गए। लसुड़िया पुलिस को फरियादी अर्चना पति डॉक्टर विजय पवार 55 साल निवासी स्कीम नंबर 114 ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 30 अप्रैल को उसके घर में शादी का कार्यक्रम था। तभी दो अज्ञात व्यक्ति मेहमान बनकर घुसे और सोने का रानी हार और एक जोड़ झुमकी एवं अन्य जेवर चुरा कर ले गए। लसूडिया पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया। इसी प्रकार फरियादी योगेश पिता रामकिशन साहू निवासी आलोक नगर के यहां चोरी की घटना हुई। दर्ज कराई रिपोर्ट में योगेश साहू ने पुलिस को बताया कि वह परिवार सहित रिश्तेदार के यहां शादी में मंदसौर गया था लौटा तो चोरी का पता चला। उसके मुताबिक चोर 2 लाख से अधिक के जेवर चुरा कर ले गए। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया।

नव विवाहिता से मांगे 10 लाख, केस दर्ज

इंदौर। शहर की बेटी को ग्वालियर में ससुराल वालों ने 10 लाख नहीं लाने पर प्रताड़ित कर घर से निकाल दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिल्वर पैलेस अन्नपूर्णा रोड पर रहने वाली काजल खुशवानी ने पुलिस को दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी शादी 1 साल पहले आकाश निवासी ग्वालियर से हुई। परिजन ने शादी में 5 लाख से अधिक का गोल्ड और अन्य सामान दिया था। शादी के कुछ महीने ठीक-ठाक तरीके से गुजरे। पति आकाश, सास पूनम और ससुर ओमप्रकाश ने मायके से 10 लाख रुपए लाने के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। काजल ने बताया कि उसे छोटी-छोटी बातों के लिए प्रताड़ित करने लगे और मोबाइल पर माता-पिता से बात भी नहीं करने देते। काजल ने आरोप लगाया कि पति और सास ससुर ने यहां कहकर घर से निकाल दिया कि जब तक मायके से 10 लाख रुपए लेकर नहीं आएगी तब तक तुम्हारे लिए घर के दरवाजे बंद है।

डिवाइडरों पर पौधे लगाने की तैयारी में निगम

इंदौर। शहर को हरा भरा करने के उद्देश्य से नगर निगम अब ओवर ब्रिज के डिवाइडरों पर गमले रख फूल वाले पौधे लगाने की तैयारी में है। बताया जा रहा है कि इसके लिए आकर्षक और सुंदर गमले खरीदे जा चुके हैं। बताया जाता है कि इसकी शुरुआत जूनी इंदौर ओवरब्रिज से की जा रही है। हालांकि सूत्र बताते हैं कि गमले खरीदी और पेड़ पौधों को लेकर मिलने वाले कमिशन की हरियाली के लिए भी नगर निगम अधिकारियों ने इस प्रकार की योजना बनाई है। सूत्रों का कहना है कि ओवरब्रिज पर पहले ही डिवाइडरों में पौधे लगे हुए हैं। उसके बाद अलग से गमले रख पौधे लगाने से लोकधन की बर्बादी ही होगी। जानकारी अनुसार अभी तक नगर निगम ने यह प्रयोग संभवत पहली बार किया है, जिसकी शुरुआत जूनी इंदौर ओवरब्रिज से की गई है। यहां लगभग तीन फीट का बड़ा गमला लगाया गया है, जिसमें खूबसूरत दिखने वाले आकर्षक पौधे भी लगा दिए गए हैं।

खेत में मलबा डालने को लेकर भिड़े दो पक्ष

इंदौर। राजेंद्र नगर इलाके में खेत में मलबा पटकने की बात पर दो किसानों के बीच विवाद हो गया। दोनों ने एक दूसरे पर ईंट व पत्थर से हमला कर दिया। राजेंद्र नगर पुलिस के मुताबिक घटना निहालपुर मुंडी के खेत की हैं। मामले में एक पक्ष की तरफ से कैलाश पिता रामप्रकाश की रिपोर्ट पर संजू और उसके भाई पर केस दर्ज किया गया हैं। फरियादी ने पुलिस को बताया कि पड़ोसी संजु ने मेरे खेत मे पत्थर डाल दिए तो मैंने उसे बोला कि तुमने मेरे खेत में पत्थर डाल दिए हैं, तुम दो फीट नीचे पत्थर डालो और इन्हे हटाओ। इस पर संजु ने वहां से पत्थर हटाने से मना कर दिया और मुझे गालियां देने लगा। मैंने संजु को गालियां देने से मना किया तो संजु व उसके भाई दोनों ने पत्थर उठाकर मुझे मारे जिससे मेरे माथे पर सामने चोंट लगी है। उधर दूसरे पक्ष की ओर से संजय पिता रामबक्श ने रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए बताया कि मैं मेरे खेत मे मकान बनवा रहा हूं, रास्ते में कीचड़ होने से मैंने रास्ते में मटेरियल डलवाया है।

अभ्यास मंडल की 64वीं ग्रीष्मकालीन व्याख्यान माला में बोले प्रखर वक्ता

सेना में महिलाओं को सेवा में पेंशन योजना का लाभ देने की जरूरत : आचार्य

संवाददाता ● इंदौर

कार्यक्रम

भारतीय वायु सेना की सेवानिवृत्त विंग कमांडर अनुमा आचार्य ने कहा है कि 30 साल बाद हमारे देश में तीनों सेना में से किसी में हम महिला अधिकारी को सेनाध्यक्ष बनते हुए देखेंगे। सेना में काम कर रही महिलाओं को पेंशन योजना का लाभ दिए जाने की जरूरत है। अग्निपथ जैसी योजना सेना की योजना नहीं है। वे आज यहां जाल सभागृह में अभ्यास मंडल द्वारा आयोजित 64 की ग्रीष्मकालीन व्याख्यान माला में भारतीय सेना में महिलाओं की भूमिका विषय पर संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने अपने सेवा में चयन से लेकर वहां जाकर काम शुरू करने की स्थिति तक की पूरी कहानी से सभी को रूबरू कराया। वायु सेना की सेवा को ज्वाइन करने के लिए उन्हें 1 साल तक कठोर ट्रेनिंग लेना पड़ी। यह ट्रेनिंग महिला, पुरुषों के लिए एक समान होती है। सरकार के द्वारा जब सेना में महिलाओं को लेने का प्रयोग शुरू किया गया था उस समय पर शुरुआत में ही वह सेना में गई थी। सेना में काम करने वाले पुरुष हो या महिला, सभी का काम एक समान होता है। इस दौरान जब हम वर्दी पहन कर निकलते हैं तो कहीं कोई डर नहीं लगता है। सेना में महिलाओं को पेंशन देने के मामले में शुरू से ही स्थिति अलग रही है। सरकार के द्वारा ओल्ड पेंशन स्कीम को बंद किए जाने से पहले ही सेना के द्वारा महिला अधिकारियों को पेंशन स्कीम का लाभ देने से इनकार कर दिया गया था।

उन्होंने कहा कि सेना के इस फैसले के खिलाफ महिला अधिकारियों ने कोर्ट में जाकर लड़ाई लड़ी। जिस समय पर एनडीए की सरकार थी उस समय पर हमने सरकार से भी जाकर आग्रह किया। सरकार ने उस समय की सेवा की महिला अधिकारियों को पेंशन योजना का लाभ दिया। उन्होंने कहा कि जिस तरह से महिला अधिकारियों के द्वारा सेना में काम किया जा रहा है उससे उनके प्रति भरोसा बढ़ा है। ऐसे में इन महिला अधिकारियों को भी परमानेंट कमीशन का लाभ दिया जाना चाहिए। एक पुरुष अधिकारी की तुलना में महिला अधिकारी ढाई गुना ज्यादा काम करती है। इस समय सेना में पूरे केडर की 10 से 11 फीसदी महिला अधिकारी है। इस संख्या को बढ़ाकर यदि हम 25 फीसदी कर देंगे तो ज्यादा बेहतर होगा।

वर्तमान में फौज में डेढ़ लाख सैनिकों की कमी

उन्होंने कहा कि अभी जो स्थिति है उसके हिसाब से अगले 30 वर्ष के बाद हमारी सेना में हम सेनाध्यक्ष के पद पर भी महिला को बनते हुए देख सकेंगे। महिला अधिकारियों को परमानेंट कमीशन किया जाना चाहिए। महिलाओं को भी जाब सिक्योरिटी की जरुरत होती है। अग्निपथ योजना की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि यह सेना की योजना नहीं है। ऐसी योजनाएं सेना को कमजोर करती है। इस समय हमारे देश में 1.5 लाख सैनिकों की कमी है। इसके साथ ही एयरक्राफ्ट की भी कमी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव सत्यनारायण पटेल ने की। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत विंग कमांडर राधेश्याम मुकाती, विनीता देव, सुशील यादव, सुरेश उपाध्याय, मुन्तहा शेख, पराग जटाले, राजेंद्र बिल्लोरे, राजा चौकसे ने किया। कार्यक्रम का संचालन मनीषा गौर ने किया। अंत में आभार प्रदर्शन गौतम कोठारी ने किया। कृपाशंकर शुक्ला, ओपी जोशी मनोहर देव, दिलीप गुप्ते, सदाशिव कौतुक, प्रीतेश पटेल आदि उपस्थित थे। अभ्यास मंडल के अध्यक्ष रामेश्वर गुप्ता ने बताया कि कल सोमवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी का व्याख्यान होगा।

बुकिंग पर सीधे रेलवे के यात्रियों को मिल रहा कंफर्म टिकट

मालवा सहित कई एक्सप्रेस ट्रेनों में हजारों टिकट कैंसिल

संवाददाता ● इंदौर

भारत और पाकिस्तान में बने युद्ध जैसे हालात के कारण एक और जहां रेलवे ने कई ट्रेनें रद्द की है वहीं दूसरी और डर के कारण यात्रियों ने भी अपनी टिकट कैंसिल करवा दी है। बताया जा रहा है कि सिर्फ मालवा एक्सप्रेस में ही हजारों टिकट कैंसिल हो चुकी है। यह टिकट इसी महीने की बताई जा रही है। युद्ध की स्थिति का सबसे ज्यादा असर जम्मू-कश्मीर समेत राजस्थान, पंजाब और गुजरात की ओर जाने वाली ट्रेनों पर देखने को मिल रहा है। इंदौर से जम्मू होते हुए कटरा जाने वाली मालवा एक्सप्रेस में ही अब तक चार लाख रुपये से अधिक कीमत के टिकट रद्द हो चुके हैं। पहले जिन ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट आम बात थी, उनमें अब आसानी से टिकट मिल रहे हैं।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि मालवा एक्सप्रेस में सबसे ज्यादा टिकट कैंसिल कराने की मांग आ रही है। यात्रियों ने गर्मी की छुट्टियों के लिए पहले से टिकट बुक कर रखे थे, लेकिन वर्तमान हालात को देखते हुए अब वे अपनी यात्रा से पीछे हट रहे हैं। इसमें कश्मीर घूमने जाने वाले पर्यटक और माता वैष्णोदेवी के दर्शन करने वाले श्रद्धालु भी शामिल हैं। हाल के दिनों में हालात को देखते हुए बड़ी संख्या में लोग टिकट कैंसिल करवा रहे हैं। मालवा एक्सप्रेस में आम तौर पर कन्फर्म टिकट मिलना मुश्किल होता है, इसलिए लोग काफी पहले से बुकिंग करवा लेते हैं, लेकिन बीते दो दिनों में उन्होंने 100 से अधिक टिकट रद्द किए हैं, जिनकी कुल कीमत करीब 2 लाख रुपये है। इसके चलते अब इस ट्रेन में आरएसी (रिजर्वेशन अगेंस्ट कैंसिलेशन) के टिकट भी आसानी से मिल रहे हैं। इसके बाद उन्होंने करीब 90 हजार रुपये की टिकट और रद्द की, जिनमें ज्यादातर टिकट स्लीपर और थर्ड एसी क्लास के थे। उन्होंने बताया कि अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले यात्री भी इस ट्रेन का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें अब टिकटों की उपलब्धता आसान हो गई है।

राजस्थान पंजाब की ओर जाने वाली गाड़ियों के भी टिकट हुए कैंसिल

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इंदौर से जोधपुर, जयपुर और बीकानेर जैसी प्रमुख जगहों के लिए चलने वाली सीधी ट्रेनों में भी पहले गर्मी की छुट्टियों में भारी वेटिंग रहती थी, लेकिन अब इनमें भी आसानी से टिकट मिल रहे हैं। वहीं जो लोग पहले से यात्रा पर थे, वे अब जल्द लौटने की कोशिश कर रहे हैं। कई एयरपोर्ट्स से उड़ानें बंद हो जाने के कारण भी यात्री ट्रेनों का सहारा ले रहे हैं। इससे आने वाली ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट देखने को मिल रही है।

हालत इतनी खराब कि खड़े नहीं रह सकते

जिस नाले में 3 माह पहले हुआ था योग वहां अब गाद-बदबू का फिर से साम्राज्य

संवाददाता ● इंदौर

सफाई को लेकर नवाचार तो हो रहे है, लेकिन वे स्थाई नहीं रह पा रहे है। चार माह पहले नगर निगम ने लाखों रुपये खर्च कर पिलियाखाल नाले को इतना साफ कर दिया था कि वहां नगर निगम ने प्रदेश के मेयरों के साथ योग किया था और क्रिकेट भी खेला था। वहां महापौर परिषद बैठक करने की तैयारी थी, लेकिन तीन महीने बाद ही वह नाला अपने पुराने स्वरुप में जा पहुंचा। अब वहां गाद, दलदल है। पूरे नाले में कचरा जमा है। दो मिनट खड़े नहीं रह सकते। अब इतनी बदबू आने लगी है पंचकुईया क्षेत्र में कई प्राचीन घाट और मंदिर है। नगर निगम ने यहां के घाटों से सैकड़ों टन मलबा हटाया। नाले से गाद निकाली थी। जनवरी माह में जब मेयर पुष्य मित्र भार्गव घाट का दौरा करने पहुंचे थे तो वे घाट का बदला स्वरुप देखकर खुश हो गए थे। उन्होंने वहां पर महापौर परिषद बैठक करने का फैसला लिया था। तब इस घाट के आसपास नगर निगम ने दीवारों को अलग-अलग रंगों से पेंट किया गया। नाले में बहने वाले गंदे पानी के बहाव को एक ट्रेंच के जरिए सीमित किया गया। बाकी के हिस्से में नाला पूरी तरह सूख गया। आसपास रहने वाले लोगों को भी आश्चर्य होने लगा था कि यह घाट फिर से इतना सुंदर हो सकता है, लेकिन यह सुंदरता ज्यादा दिन नहीं टिक सकी। अब फिर वहां गाद और बदबू का साम्राज्य है। शहर में मप्र महापौर परिषद की बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें प्रदेशभर के मेयर शामिल होने के लिए इंदौर आए थे। तब मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने शहर की स्वच्छता की ब्रांडिंग के लिए पिलियाखाल नाले में सामूहिक योग का आयोजन करवाया। कुछ दिनों बाद नाले में क्रिकेट की स्पर्धा भी रखी गई। इन आयोजनों के बाद अफसरों ने फिर नाले की तरफ ध्यान नहीं दिया और अब फिर उसमें गाद भर गई।

मां की स्मृति में किया बड़े पैमाने पर पौधारोपण

इंदौर। महू के ग्राम हरसोला के भवानी माता मंदिर परिसर में अरविंद शर्मा की धर्मपत्नी और स्वतंत्र शर्मा (बंटी) की माता शांता शर्मा की स्मृति में पौधारोपण किया गया, जिसमें मुख्य रूप से उपस्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल उपस्थित रहे। भवानी माता मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित बालकृष्ण शर्मा व वासुदेव चंद्रवंशी, शर्मा परिवार के सदस्यों के साथ माता रानी के भक्त भी मौजूद रहे।

पेड़ पर चढ़कर बुरे फंसे वनराज, नीचे उतरने के लिए करने लगे तरह-तरह के जतन...

कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय अर्थात चिड़ियाघर में बाघ एक पेड़ पर चढ़ गया। जैसे-तैसे वनराज पेड़ पर तो चढ़ गए, लेकिन वहां बुरी तरह घिर गए। जब वनराज ने नीचे उतरने की कोशिश की तो परेशानियों का सामना करना पड़ा। कई जुगत लगाने के बाद भी वे नीचे उतरने की हिम्मत नहीं जुटा पाए, हालांकि अंत में उन्होंने नीचे उतरने में सफलता प्राप्त की।

नगर निगम के अपर आयुक्त ने पत्र भेज कार्रवाई के लिए कहा

लिंबोदी में सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त करवाएं एसडीएम

संवाददाता ● इंदौर

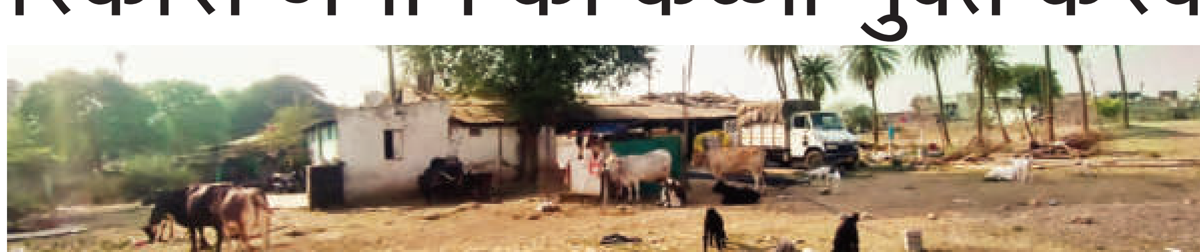

कार्रवाई

जूनी इंदौर तहसील के गांव लिंबोदी में ग्रीन बेल्ट की सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त करने के लिए जूनी इंदौर एसडीएम को पत्र लिखा गया है। नगर निगम के अपर आयुक्त ने जूनी इंदौर एसडीएम को मामले में कार्रवाई करने के लिए कहा है। पत्र में बताया गया है कि गांव लिंबोदी में सर्वे क्रमांक 192 की 1.181 हेक्टेयर जमीन पर पटेल भाइयों ने कब्जा कर लिया है। यह जमीन सरकारी होकर इस पर गोदाम और कुआं आदि का निर्माण किया गया है। ग्रीन बेल्ट की जमीन होने के कारण आम जनता इसका इस्तेमाल नहीं कर पा रही है। इसलिए नगर निगम अपर आयुक्त ने एसडीएम से हमले में कार्रवाई करने के लिए कहा है। जानकारी अनुसार श्रीकृष्ण एवेन्यू फेस-3 ग्राम लिम्बोदी के रहने वाले पियूष पिता शंगाराम सांखला में सरकारी जमीन पर कब्जा किए जाने की शिकायत नगर निगम में की है। इस पर संज्ञान लेते हुए नगर निगम के अपर आयुक्त मनोज पाठक ने जूनी इंदौर एसडीएम को पत्र लिखा है। शिकायतकर्ता पियूष सांखला पिता गंगाराम सांखला निवासी- श्रीकृष्ण ऐवेन्यू फेस-3 ग्राम लिम्बोदी, तहसील जूनी इंदौर ने बताया कि जूनी इंदौर तहसील के लिंबोदी मैं सरकारी ग्रीन बेल्ट की जमीन पर ईश्वरसिंह पटेल, भगतसिंह पटेल, गौरीशंकर पटेल पिता स्व. लालसिंह पटेल द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर उस पर एक मकान, गोडाउन और कुआं बनवाया जा चुका है। ग्राम लिम्बोदी तहसील जूनी इंदौर, जिला इंदौर पर स्थित शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 192, रकबा 1.181 हेक्टर चरागाह की बेशकीमती जमीन पर कब्जा किया गया है। उक्त सर्वे नंबर की सम्पूर्ण जमीन पर उक्त तीनों पटेल भाइयों ने कब्जा कर लिया है, यह जमीन चरनोई की अर्थात चारागाह की है, जिसका इस्तेमाल पशुओं के चारे के लिए किया जाना है। पटेल भाइयों द्वारा इस जमीन पर कब्जा कर लेने से यह जमीन इस मंशा से दूर जा चुकी है।

ऊंची एट्रिशन दर को आप कैसे संभालेंगे?

इंदौर एयरपोर्ट के लाउंज में इस वीकेंड एक दिलचस्प वाक्या हुआ। वह व्यक्ति ऊंची कुर्सी पर बैठा हुआ था, जैसी बार काउंटर के इर्द-गिर्द होती हैं। मैं सोफे पर बैठ गया, जो कि उन लोगों के लिए होता है, जो कोई एल्कोहल ड्रिंक नहीं लेना चाहते। उस लाउंज के मालिक सुधांशु वहां आए। हम एक-दूसरे का हालचाल पूछ रहे थे कि बार पर बैठे व्यक्ति ने सुधांशु को बुलाया और कहा, ह्यक्या आप हमारे लिए कुछ कटी हुई ककड़ी का इंतजाम कर सकते हैं? सुधांशु ने तुरंत कहा, क्यों नहीं? उन्होंने कुछ कप उठाए और सर्विंग स्टाफ को दिए और कहा, कुछ ताजी ककड़ी लाओ, अच्छी तरह धोकर छोटे टुकड़ों में काट दो। मैं उस व्यक्ति के चेहरे को देख रहा था, जिसने शायद कुछ ड्रिंक्स पहले ही पी ली थीं। उसका चेहरा गर्व से चमक रहा था और उसकी आंखें उसके साथी को कह रही थीं, ह्यदेखो, इस जगह पर मेरी कितनी पकड़ है।जैसे ही स्टाफ अंदर गया, घमंड से भरा वो व्यक्ति नाराज हो गया और सुधांशु से कहा, ह्यआपका स्टाफ अच्छा नहीं हैं।

उसने बारमैन की ओर इशारा करते हुए कहा, ह्यबस दो मिनट पहले आपके इस आदमी ने मुझे काली मिर्च व नमक डालकर साधारण-सी ककड़ी लाने से मना कर दिया था। सुधांशु पीछे सूप काउंटर की ओर मुड़े और वहां कुछ काली मिर्च-नमक उठाया और मुस्कराकर कहा, यहां आपके लिए काली मिर्च व नमक है, चिंता मत करो, ककड़ी रसोई से आ रही है। खुलकर कहूं, तो ये सिर्फ एक लाउंज है, जहां शराब के अलावा किसी और चीज की बिलिंग नहीं कर सकते और यहां मौजूद सामान पर हमेशा सख्त नजर रहती है।

इसलिए वे छोटे-मोटे निर्णय लेने में भी डरते हैं।ह्ल 40 मिनट बाद उन दोनों ग्राहकों ने बिल चुकाया और बारमैन को 20 रुपए टिप देने की कोशिश की। उसने लेने से मना कर दिया क्योंकि उस लाउंज के मालिक अभी भी मेरे साथ बात कर रहे थे। चूंकि ग्राहक चार ड्रिंक्स के बाद थोड़े नशे में था, उन्होंने चिल्लाकर कहा, ह्यआप इसे लेंगे या नहीं?ह्ल ये तेज आवाज सुनकर सुधांशु फिर से काउंटर पर गए और महसूस किया कि ग्राहक नशे में है और खुद को सही साबित करना चाहते हैं। सुधांशु ने विनम्रता से कहा, ह्यसर, चूंकि मैं यहां हूं, इसलिए वे आपकी इस उदारता के साथ की गई पेशकश को स्वीकार करने में संकोच कर रहे हैं, इसे मुझे दे दें, मैं इसे सौंप दूंगा। यात्री ने अपने दोस्त की ओर देखा, जिसका मतलब था देखा? और चला गया। मेहमानों के जाने के बाद, बारमैन को फाइनेंस पर एक क्रैश कोर्स दिया गया। सुधांशु ने कहा, याद रखो, जब कोई गेस्ट कुछ सैकड़ों रुपए खर्च करके आपका प्रोडक्ट ले रहा है, तो आप उसके 10 रुपए की ककड़ी का निर्णय क्यों नहीं ले सकते? भले ही ककड़ी की कीमत 50 रुपए हो, पर बिजनेस तब भी फायदे में होगा। उन्होंने आगे कहा, ह्यनशे की हालत में रहने वाले किसी भी कस्टमर से कभी बहस न करें क्योंकि उसकी तेज आवाज यहां बैठे बाकी लोगों को परेशान कर सकती है। और तब सुधांशु ने एयरपोर्ट लाउंज में कर्मचारियों के रिटेंशन की समस्या बताई। रिटेंशन यानी कर्मचारियों का जल्दी-जल्दी नौकरी छोड़ना।

यात्री ने अपने दोस्त की ओर देखा, जिसका मतलब था देखा? और चला गया। मेहमानों के जाने के बाद, बारमैन को फाइनेंस पर एक क्रैश कोर्स दिया गया। सुधांशु ने कहा, याद रखो, जब कोई गेस्ट कुछ सैकड़ों रुपए खर्च करके आपका प्रोडक्ट ले रहा है, तो आप उसके 10 रुपए की ककड़ी का निर्णय क्यों नहीं ले सकते? भले ही ककड़ी की कीमत 50 रुपए हो, पर बिजनेस तब भी फायदे में होगा। उन्होंने आगे कहा, नशे की हालत में रहने वाले किसी भी कस्टमर से कभी बहस न करें क्योंकि उसकी तेज आवाज यहां बैठे बाकी लोगों को परेशान कर सकती है।

चूंकि एयरपोर्ट लाउंज में नकद पैसों का लेन-देन नहीं होता, इसलिए यात्री भी हॉस्पिटैलिटी कर्मचारियों को टिप नहीं देते। अतिरिक्त आय हमेशा नौकरी में बने रहने की प्रेरणा होती है, ऐसे में एयरपोर्ट की शुरूआती चकाचौंध हटने के बाद सर्विस देने वाले एयरपोर्ट स्टाफ बेहतर अवसरों की तलाश में जल्दी-जल्दी नौकरी छोड़ते हैं। इसलिए इन्वेंट्री पर नजर रखने वाले उद्यमियों (जो कि फूड तैयार करने वाले बिजनेस में कठिन काम है) को लगातार रिप्लेसमेंट पर नजर रखनी पड़ती है और वे छोटी जगहों के युवा कर्मचारियों को लाते हैं, जो शहर और उसकी चमक से आकर्षित होते हैं। फंडा यह है कि अगर अतिरिक्त पारिश्रमिक उच्च एट्रिशन रेट से निपटने का तरीका नहीं है, तो उद्यमियों और फ्लोर मैनेजर्स को उन्हें बनाए रखने के लिए कई और तरीकों का इस्तेमाल करना होगा। उनकी सराहना और उनके आसपास रहकर उनकी पीठ थपथपाना भी एक तरीका है।

संत वचन

जिसे उन्होंने खुद सबसे अधिक ईमानदारी से कायम रखा और अपने मंत्रालय में प्रचार करना जारी रखा।ईश्वर हम सभी के साथ रहें और वह हमारे हर प्रयास और प्रयासों को आशीर्वाद दें ताकि हम सभी चीजों में उनकी महिमा करते रहें। इसके बजाय, ईसाइयों के रूप में, यह हमेशा महत्वपूर्ण है कि हम विनम्र रहें और दूसरों की बात सुनने के लिए तैयार रहें, खासकर भगवान की बात सुनने में। एंटिओक के सेंट इग्नाटियस प्रेरितों के शुरूआती उत्तराधिकारियों में से एक थे और प्रेरितों के महान मिशनरी कार्यों के समय में ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए थे, जो चर्च की स्थापना कर रहे थे और दुनिया भर में कई लोगों को खुशखबरी फैला रहे थे। चर्च के इतिहास और परंपरा के अनुसार एंटिओक के सेंट इग्नाटियस सेंट जॉन द एपोस्टल के शिष्य थे, और इसलिए प्रेरितों के बारे में सीधे जानते थे और उनसे सच्चाई प्राप्त की, जिसे उन्होंने खुद सबसे अधिक ईमानदारी से कायम रखा और अपने मंत्रालय में प्रचार करना जारी रखा।

परिस्थिति बदल नहीं सकते तो क्या हुआ, मनोस्थिति बदल लें!

इशिका बाला छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में दसवीं की छात्रा हैं। किसान की इस बेटी ने 99.2% अंक लाकर परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके लिए न केवल उनकी बुद्धिमत्ता बल्कि उनकी ?परिस्थिति' की भी प्रशंसा की जानी चाहिए। वे माओवाद प्रभावित क्षेत्र से आती हैं, जिसकी अपनी समस्याएं हैं, लेकिन सबसे बड़ी क्षति उनके शरीर को पहुंची है। जी हां, इशिका हाल ही में रक्त कैंसर से जंग जीतकर वापस लौटी हैं। इशिका की उपलब्धि उस जिले के लिए उम्मीद की किरण है, जहां महिला साक्षरता दर बमुश्किल 59.6% है। वे पिछले साल ही दसवीं की परीक्षा में शामिल हो जातीं, लेकिन उनका स्वास्थ्य बहुत खराब था। इलाज की कठिनाइयों के बावजूद इस साल उन्होंने टॉप किया, क्योंकि उन्होंने संकल्प लिया था कि आईएएस बनेंगी। इस सपने ने ही हर बार कमजोरी और दर्द से लड़ने में तब उनकी मदद की, जब उन्हें लगा कि जानलेवा बीमारी उन्हें पीछे धकेल रही है। एक उल्लेखनीय संयोग यह है कि 12वीं के टॉपर अखिल सेन भी कांकेर से हैं। उन्होंने 98.2% अंक (वाणिज्य में 491/500) प्राप्त किए। उनके पिता समाचार पत्र एजेंसी चलाते हैं, और अखिल भी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी करते हुए हर सुबह अखबार बांटते थे।

एडिट.नोट

उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनके जीवन में ऐसी ऊंचाइयां आएंगी। वे यही सोचते थे कि पिता के कामकाज में हाथ बंटाएंगे। टॉपर्स की सूची में जगह बनाने वाले 85 छात्रों में से आठ बस्तर संभाग से हैं, जो पिछले 25 वर्षों से माओवादी विद्रोह से जूझ रहा है। और उन सभी ने कभी अपनी परिस्थितियों की परवाह नहीं की थी। प्रज्ञा जायसवाल भी एक ऐसे परिवेश से आती हैं, जहां महिला साक्षरता कम है। वे सिंगरौली की सराय तहसील के निगारी गांव में रहती हैं, जो कि मध्य प्रदेश के भोपाल से 645 किलोमीटर दूर है। वहां महिला साक्षरता दर बमुश्किल 48.5% है। लेकिन उन्होंने कक्षा 10 की राज्य बोर्ड परीक्षा में पूरे 100% अंक प्राप्त किए। उनके माता-पिता सरकारी शिक्षक हैं और आज उनकी सफलता ने गांव को देश भर में पहचान दिलाई है। दूसरी ओर 76 वर्षीय गोरखनाथ मोरे- जो भारतीय नौसेना से चीफ पेटि ऑफिसर के पद से सेवानिवृत्त हुए थे- ने केवल इसलिए 12वीं की परीक्षा देने का प्रयास किया क्योंकि वे कानून की पढ़ाई करना चाहते थे। उन्होंने 45% अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण की, जो लॉ कॉलेज की परीक्षा के लिए जरूरी न्यूनतम अंक हैं।

वे 11वीं के बाद ही भारतीय नौसेना में शामिल हो गए थे और अपनी सेवा के वर्षों के दौरान उन्हें अपनी शिक्षा जारी रखने का अवसर नहीं मिला। वे 1997 में नौसेना से सेवानिवृत्त हुए और लीगल टीम के हिस्से के रूप में एक निजी बिल्डर के साथ काम किया। यहीं कानून में उनकी रुचि पनपी। वकीलों ने लीगल प्रैक्टिस के प्रति उनकी समझ को पहचाना और उनकी प्रशंसा की, जिसके बाद उन्होंने कानून की डिग्री हासिल करने का फैसला किया। लेकिन उस सपने को साकार करने के लिए उन्हें पहले 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करनी थी। उन्होंने इस औपचारिकता को पूरा करने के लिए एक स्थानीय स्कूल के संस्थापक रवींद्र भटकर और मोरे की पत्नी- जो स्वयं स्कूल शिक्षिका थीं- की मदद से निजी उम्मीदवार के रूप में पंजीयन किया। भटकर ने उन नए विषयों का अध्ययन करने में उनकी मदद की, जिनके बारे में उन्होंने कभी नहीं सुना था। लेकिन प्रतिदिन निर्धारित समय में पढ़ाई करने के अपने अनुशासन के चलते उन्हें परीक्षा उत्तीर्ण करने में मदद मिली। अब वे 76 की आयु में इस शैक्षणिक वर्ष से लॉ कॉलेज के छात्र होंगे। मेरा विश्वास करें, मैं व्यक्तिगत रूप से यह उम्मीद करता हूं कि वे कानून की परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाएंगे, क्योंकि उनके पास एक संगठन में काम करते हुए वर्षों में अर्जित अनुभव, ज्ञान और विषय में रुचि है।फंडा यह है कि हममें से किसी के भी पास अपनी परिस्थिति को बदलने की सुपर पॉवर नहीं है, लेकिन जीतने के लिए जिस चीज में बदलाव की जरूरत होती है, वो है मनोस्थिति। इसे बदलें और अपने अंदर ग्रोथ देखें। आपको भी ?सुपर' टैग मिलेगा, जैसा कि उपरोक्त लोगों को उनकी सफलताओं के लिए मिला।

एन रघुरामन- लेखक

सिक्के की तरह जीवन में भी दो पहलू हैं, आप क्या चुनते हैं

शुक्रवार, 9 मई की शाम को मैं काम के सिलसिले में उज्जैन जा रहा था। संयोग से उस दिन प्रदोष व्रत था, जो कि हर महीने दोनों पक्षों (शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष) की त्रयोदशी को पड़ता है। यह उन महत्वपूर्ण हिंदू व्रतों में से है, जिसे मेरी मां बहुत श्रद्धा से करती थीं और इस दिन मंदिर जाना कभी नहीं भूलतीं थी। मैं भले काम से देर से लौटूं, लेकिन वह मंदिर जाने के लिए जरूर कहती थीं, कम से प्रदोष के दिन जाना तो अनिवार्य था। उन दिनों को याद करते हुए मैंने उज्जैन में अपने सहयोगी राजेश पांचाल को फोन किया और उनसे महाकाल के दर्शन कराने का अनुरोध किया और उन्होंने कहा कि ह्यबाहर हल्की बारिश हो रही है, ऐसे में आज से बेहतर दिन क्या हो सकता है।

उन्होंने महाकवि कालिदास की रचनाओं का जिक्र किया, जिनकी कर्मभूमि उज्जैन थी। कालिदास ने कभी कहा था, ह्लमेघ, तुम अगर जल्दी पहुंच जाओ तो महाकाल की संध्या आरती में गरजना। उस समय जो ढोल बजाए जाते हैं, उसका श्रेय तुम्हें मिलेगा।ह्ल पंचांग में प्रदोष की तिथि और बाहर का सुहावना मौसम... जब मैंने इस सुखद संयोग और संबंध के बारे में सुना तो मैंने कहा, ह्यवाह, काश मैं शाम की आरती में शामिल हो पाता और भगवान की स्तुति करके उनका आशीर्वाद ग्रहण कर पाता। उन्होंने विनम्रता से कहा, ह्यमैं आपकी प्रार्थना बाबा महाकाल तक पहुंचा दूंगा क्योंकि वही तय करते हैं कि उनके धाम में कौन-सा भक्त, कब उनसे मिल सकता है, वह भी ऐसे शुभ अवसरों पर।ह्ल इस विनम्रता ने युवा पीढ़ी के प्रति मेरे मन में एक नई श्रद्धा उत्पन्न की, खासकर उस दुनिया में जहां लोग उन चीजों का श्रेय भी ले लेते हैं जो उन्होंने नहीं की होतीं।

चूंकि मेरी कार शहर के एक मुख्य चौराहे पर, बत्ती हरी होने का इंतजार कर रही थी, उन्होंने मुझसे पहले से तय एक जगह पर मिलने के लिए कहा। वहां मैंने देखा कि एक बुजुर्ग दंपति, ह्यपैदल सिग्नलह्ल हरा होने पर सड़क पार करने के लिए आगे बढ़े। वह शायद मंदिर की ओर जा रहे थे और धोती पहनने के कारण उन बुजुर्ग को चलने में शायद थोड़ी दिक्कत हो रही थी। तभी अचानक एक ड्राइवर, जिसे लगा कि उसका बायां मोड़ हमेशा की तरह खाली होगा, वह गाड़ी मोड़ता हुआ उनके रास्ते में आ गया। ह्यअरे!ह्ल वे बुजुर्ग दंपति चिल्लाते हुए पीछे हट गए। ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगाए, खिड़की का शीशा नीचे किया और कंधों व कानों के बीच में मोबाइल फंसाए हुए कहा, ह्यगलती हो जाती हैह्ल और फोन पर बात करने लगा। इस पर वह बुजुर्ग गरजते हुए बोले, ह्यगलतियां हो जाती हैं? तुम तो हमें सीधा महाकाल के पास पहुंचा चुके होते।ह्ल विभूति के लेप से माथे के बीचों-बीच बनी तीन रेखाएं और बीच में कुमकुम का टीका लगाए बुजुर्ग का माथा इसे आवेश में सिकुड़कर आधा रह गया। ड्राइवर बुदबुदाया, ह्यकाश मैं कर पाता!ह्ल और तेजी से चला गया।

मैंने रुककर उन बुजुर्ग दंपति को लिफ्ट देने का फैसला किया। पर उन्होंने विनम्रता से इंकार कर दिया और कहा, ह्यजो होता है, अच्छे के लिए होता है।ह्ल दंपति ने भगवान से मन्नत मांगी थी कि उनका नौजवान बेटा ठीक हो जाए, और वे नंगे पैर चलकर बाबा महाकाल की चौखट पर आएंगे। मैंने उन्हें शुभकामनाएं दीं और वहां से चला गया। अपना काम निपटाने के ढाई घंटे बाद मैं राजेश से मिला और मंदिर पहुंचा और पाया कि वही बुजुर्ग दंपति मंदिर में आरती के समय मेरे बगल में बैठे थे और उस गलती करने वाले ड्राइवर को आशीर्वाद दे रहे थे। उन्होंने मेरे कान में फुसफुसाते हुए कहा, ह्यचूंकि उसके कारण हमें देर हो गई और हम इस आरती में शामिल हो सके, नहीं तो हम चूक जाते। इसलिए मैंने उस ड्राइवर के लिए भी प्रार्थना की। फंडा यह है कि हमारे सृजनकर्ता हमारे जीवन में विकल्प रूपी सिक्के फेंकते हैं और हमें वह चुनने के लिए प्रेरित करते हैं, जो हमें खुशी दे। अच्छे लोग उस क्षण में जीने का चुनाव करते हैं, बजाय इसके लिए अतीत के बारे में सोचते रहें या अनिश्चित भविष्य की खोज में रहें, जैसा कि वह तेज गति से चलने वाला ड्राइवर कर रहा था।

बिजनेस

होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया ने 2025 CB650R और CBR650R को क्रांतिकारी ई-क्लच तकनीक के साथ लॉन्च किया

गुरुग्राम। भारत में प्रीमियम मोटरसाइक्लिंग के क्षेत्र को नए आयाम देते हुए होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया ने 2025 और CBR650R को लॉन्च किया है। ये मिडल-वेट 650cc मोटरसाइकिल भारत में होंडा की एडवांस्ड ई-क्लच टेक्नोलॉजी से लैस पहली बाइक हैं। HMSI ने घोषणा की है कि सभी BigWing डीलरशिप पर बुकिंग शुरू हो चुकी है, और मई 2025 के अंतिम सप्ताह से डिलीवरी की योजना है। CB650R की कीमत 9.60 लाख रुपये और CBR650R की कीमत 10.40 लाख रुपये (एक्स-शोरूम दिल्ली) रखी गई है।

लॉन्च के अवसर पर होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रेसिडेंट और सीईओ त्सुत्सुमु ओटानी, ने कहाः होंडा का मिशन हमेशा राइडिंग को नए टेक्नोलॉजी इनोवेशन से और ज्यादा एडवांस, सेफ और एक्साइटिंग बनाना रहा है। CB650R और CBR650R में शामिल क्रांतिकारी ई-क्लच टेक्नोलॉजी इसी दिशा में एक बड़ा कदम है, जो राइडर्स को बेहतर कंट्रोल और कम्फर्ट देगा। हमें पूरा भरोसा है कि ये मॉडल परफॉर्मेंस और राइडिंग इनोवेशन के नए बेंचमार्क सेट करेंगे। होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया के डायरेक्टर - सेल्स एंड मार्केटिंग, योगेश माथुर, ने इस लॉन्च पर कहाः हम इंडियन राइडर्स के लिए नई CB650R और CBR650R को लेकर काफी एक्साइटेड हैं, अब ये क्रांतिकारी ई-क्लच टेक्नोलॉजी के साथ पेश की गई हैं। इनके स्टैंडर्ड वेरिएंट्स को पहले ही शानदार रिस्पॉन्स मिला था, और ई-क्लच एडिशन से ये एक्सपीरियंस और भी एडवांस होगा। ये मोटरसाइकिल्स परफॉर्मेंस, ईज और इनोवेशन का परफेक्ट बैलेंस ऑफर करती हैं।

2025 होंडा CB650R और CBR650R: ई-क्लच तकनीक होंडा मोटर कंपनी ने नवंबर 2023 में दुनिया की पहली होंडा ई-क्लच प्रणाली विकसित की, जो राइडर को क्लच लीवर का संचालन किए बिना स्मूथ स्टार्टिंग और गियर शिफ्टिंग करने की सुविधा प्रदान करती है। यह प्रणाली मल्टी-गियर मैनुअल मोटरसाइकिल ट्रांसमिशन के क्लच को स्वचालित रूप से नियंत्रित करती है, जिससे राइडिंग अधिक सहज और सुविधाजनक बन जाती है।

हाल ही में लॉन्च की गई 2025 होंडा CB650R और CBR650R भारत की पहली मोटरसाइकिलें हैं जो होंडा की क्रांतिकारी ई-क्लच तकनीक से लैस हैं। यह तकनीक आरामदायक और स्पोर्टी दोनों प्रकार की राइडिंग स्टाइल को ध्यान में रखकर डिजाइन की गई है। ई-क्लच प्रणाली राइडर की आरामदायक अनुभव को बढ़ाती है, जिससे थकान कम होती है और स्पोर्टी राइडिंग का रोमांच बढ़ता है। यह कंट्रोल, सुविधा और एक्साइटमेंट का एक बेहतरीन संयोजन प्रस्तुत करती है, जो राइडिंग को अगले स्तर तक ले जाती है होंडा CB650R अपने Neo Sports cafe डिजाइन को आगे बढ़ाते हुए मिनिमलिस्ट और मस्कुलर लुक को आधुनिक परफॉर्मेंस फीचर्स के साथ जोड़ता है। इसमें राउंड ऑल-एलईडी हेडलैम्प, स्कल्प्टेड फ्यूल टैंक, और एक्सपोज्ड स्टील फ्रेम दिया गया है, जिससे इसकी अपीयरेंस एक रग्ड लेकिन रिफाइंड स्ट्रीटफाइटर जैसी प्रतीत होती है। CB650R दो अट्रैक्टिव कलर ऑप्शंस में अवेलेबल है (कैंडी क्रोमोस्फीयर रेड) और (मैट गनपाउडर ब्लैक मेटैलिक.

इस मोटरसाइकिल का 649cc, लिक्विड-कूल्ड, इनलाइन फोर-सिलेंडर इंजन इसकी बेजोड़ क्षमता को परिभाषित करता है। यह इंजन 12,000 RPM पर 70 kW की अधिकतम पावर और 9,500 RPM पर 63 Nm का पीक टॉर्क उत्पन्न करता है। इंजन को छह-स्पीड गियरबॉक्स से जोड़ा गया है, जो होंडा की क्रांतिकारी ई-क्लच तकनीक से सुसज्जित है, जिससे राइडिंग अनुभव को और अधिक सहज बनाया गया है। पावरट्रेन को उच्च-विशिष्टता चेसिस सेटअप द्वारा पूरक किया गया है।

ब्रेकिंग परफॉर्मेंस भी उतनी ही प्रभावशाली है, जिसमें फ्रंट में 310mm के ड्यूल रेडियल-माउंटेड फ्लोटिंग डिस्क और रियर में 240 mm का सिंगल डिस्क दिया गया है। यह ड्यूल-चैनल अइर द्वारा नियंत्रित किया जाता है, जिससे सुरक्षा को और अधिक उन्नत किया गया है। इसके अतिरिक्त, यह मोटरसाइकिल 5.0-इंच का फुल-कलर TFT डिस्प्ले प्रदान करती है, जो महत्वपूर्ण राइडिंग जानकारी दिखाता है। यह ऐप के माध्यम से स्मार्टफोन कनेक्टिविटी को भी सपोर्ट करता है, जिससे राइडर्स को Bluetooth के जरिए कॉल, मैसेज और नेविगेशन तक आसान पहुंच मिलती है।

नई Honda CBR650R -वेट कैटेगरी में स्पोर्टियर, रेसट्रैक-इंस्पायर्ड लुक लेकर आई है। इसकी एग्रेसिव लाइन्स, एयरोडायनामिक फेयरिंग और हंच-फॉरवर्ड स्टांस इसे एक स्पीड और परपज से भरपूर मशीन बनाते हैं, जो स्टैंडस्टिल पर भी अट्रैक्टिव लगती है। CBR650R दो स्टाइलिश और अट्रैक्टिव कलर ऑप्शंस में अवेलेबल हैः ग्रैंड प्रिक्स रेड और मैट गनपाउडर ब्लैक मेटैलिक यह बाइक हर राइड को एक एक्साइटिंग और हाई-परफॉर्मेंस एक्सपीरियंस में बदलने का वादा करती है

राज-काज

अमेरिका-चीन टैरिफ पर क्यों झुके

नई दिल्ली। अमेरिका और चीन ने बढ़ते टैरिफ वॉर को लगभग समाप्त कर लिया है। दोनों देशों ने जेनेवा में ट्रेड डील की और 115% टैरिफ कटौती का ऐलान किया। दोनों के बीच यह समझौता फिलहाल 90 दिनों के लिए है। अमेरिका ने चीनी सामानों पर 145% और चीन ने अमेरिकी सामानों पर 125% टैरिफ लगा रखा है। इस कटौती के बाद चीन पर अब 30% और अमेरिका पर 10% टैरिफ रह जाएगा। इस समझौते पर अमेरिका ने कहा कि चीन के साथ मतभेद उतने बड़े नहीं थे जितना सोचा था। लेकिन कई और कारण हैं जो इस समझौते के लिए जिम्मेदार हैं... चीनी आयात पर 145% अमेरिकी टैरिफ और चीन के 125% जवाबी टैरिफ ने दोनों के बीच सालाना एवरेज 610 बिलियन डॉलर के व्यापार पर काफी दबाव पड़ा। अमेरिका के रिटेल बिजनेस पर बढ़ती कीमतों का सीधा असर पड़ रहा था। इससे कंज्यूमर एक्सपेंडिचर कम हो रहा था।

भारत-पाक सीजफायर के बाद 2975 अंक चढ़ा सेंसेक्सःये साल की सबसे बड़ी तेजी, 82,430 के स्तर पर पहुंचा

मुंबई। भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा के बाद सोमवार, 12 मई को सेंसेक्स 2975 अंक (3.74%) चढ़कर 82,430 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की ये साल की सबसे बड़ी तेजी है। इससे पहले सेंसेक्स 15 अप्रैल को 1,577 पॉइंट या 2.10% चढ़ा था। सेंसेक्स के 30 में से 28 शेयरों में तेजी है। इंफोसिस के शेयर में 7.67%, ल्उछ टेक में 5.97%, टाटा स्टील में 5.64%, जोमैटो में 5.51%, ळ्उर 5.42 % और टेक महिंद्रा 5.36% की तेजी रही।

बैंक और ठळढउ समेत कुल 7 शेयरों में 4.5% का उछाल देखने को मिला। इसके अलावा, बजाजा फिनसर्व और ट&ट सहित कुल 5 शेयर्स 3.5% चढ़कर बंद हुए। सनफार्मा और इंडसइंड बैंक के शेयर में 3.4% की गिरावट रही। निफ्टी में भी 917 अंक (3.82%) की तेजी रही, ये 24,925 के स्तर पर बंद हुआ। ठरए के इंडेक्स में 6.70%, रियल्टी में 5.93%, मेटल में 5.86%, फाइनेंशियल सर्विसेज में 4.21% और ऑटो में 3.41% की तेजी रही। वहीं, ऋ्उऋ मीडिया और बैंकिंग शेयर्स 3% से ज्यादा चढ़कर बंद हुए।सीजफायर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच टेंशन कम हुई है। इस मामले से जुड़े सभी डेवलपमेंट्स पर निवेशकों की नजर रहेगी।

रिटेल महंगाई के अप्रैल महीने के आंकड़े 13 मई को जारी किए जाएंगे। अप्रैल में महंगाई कम होकर 3% से नीचे आने की संभावना है।टफ्र् ढठइ बैंक, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, अडाणी पोर्ट्स और अडाणी एंटरप्राइजेज सहित कई कंपनियों के तिमाही नतीजे उम्मीद से बेहतर रहे। बीते हफ्ते विदेशी संस्थागत निवेशकों (ऋक्क) ने अपनी खरीदारी का सिलसिला जारी रखा और सैगमेंट में लगभग 5,087 करोड़ रुपए की खरीदारी की।

भारत और यूरोपीय यूनियन (एव) के बीच आज से फ्री-ट्रेड एग्रीमेंट पर 11वें राउंड की बातचीत शुरू हो रही है। उम्मीद है यह डील सक्सेसफुल हो जाएगी।भारत के साथ सीजफायर की घोषणा के बाद सोमवार, 12 मई को पाकिस्तान के शेयर बाजार का डरए-100 इंडेक्स 10,112 अंक (9.44%) चढ़कर 117,287 पर बंद हुआ।ट्रेडिंग सेशन के दौरान अपर सर्किट लगने के कारण ट्रेडिंग एक घंटे रोकनी पड़ी। हालांकि, बाद में फिर कारोबार शुरू हुआ। इससे पहले पहलगाम हमले के जवाब में भारत की ओर से की गई एयरस्ट्राइक के बाद 7 और 8 मई के दो दिन में इसमें 10,000 अंक (करीब 11%) से ज्यादा की गिरावट आई थी।एशियाई बाजारों में, जापान का निक्केई 141 अंक (0.38%) चढ़कर 37,644 के स्तर पर बंद हुआ। वही, कोरिया का कोस्पी 31 अंक (1.17%) चढ़कर 2,607 के स्तर पर बंद हुआ।

अमृतसर में मदर्स डे के अवसर पर देवी महा मरियम्मन (शीतला माता) की शोभायात्रा में भाग लेते लोग।

राज्यपाल तीन दिवसीय शिल्प ग्राम महोत्सव के समापन में कर रहे थे संबोधित

जनजातीय कला और शिल्प लोक संस्कृति की धरोहर : पटेल

राज्यपाल पटेल शिल्प ग्राम महोत्सव समापन कार्यक्रम में शामिल हुए

संवाददाता ● भोपाल

कार्यक्रम

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि जनजातीय द्वारा सदियों से संरक्षित खान-पान, लोक कलाएं, शिल्प, वस्त्र, आभूषण, उपकरण और चिकित्सा पद्धतियां सभी हमारी अनमोल धरोहर है। हमारी इस लोक संस्कृति का संरक्षण और प्रोत्साहन समाज का दायित्व है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा जनजातीय समुदाय की सतत आजीविका के लिए प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित मौलिक, स्वाभाविक, कला, शिल्प और संस्कृति की सृजनशीलता को निखार कर व्यवसायिक बनाने के प्रयासों की सराहना की है। राज्यपाल पटेल तीन दिवसीय शिल्प ग्राम महोत्सव के समापन कार्यक्रम को रवीन्द्र भवन में संबोधित कर रहे थे। महोत्सव का आयोजन जनजातीय कार्य विभाग द्वारा वन्या प्रकाशन, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान और ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट के समन्वय से किया गया था।

राज्यपाल पटेल ने समापन कार्यक्रम के पूर्व सभागार में उपस्थित कलाकारों के पास पहुंचे और समक्ष में उनसे चर्चा की। कार्यक्रम में राज्यपाल को बैतूल जिले के शिल्पकारों की बेल मेटल से बनी जनजातीय कलाकृति स्मृति प्रतीक के रूप में और महोत्सव के प्रशिक्षणार्थी शिल्पियों, कलाकारों द्वारा निर्मित उत्पादों का सेट भेंट किए गए। राज्यपाल का वरिष्ठ गोंड कलाकार श्री आनंद श्याम ने पारंपरिक गोंड परंपरा के अनुसार साफा और बीरन माला से स्वागत किया।

विकास के साथ आ रही खुशहाली

राज्यपाल पटेल ने कहा कि जनजातीय समुदाय के लिए गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय समुदाय को सक्षम बना कर उनके विकास और खुशहाली के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं।पूरे देश में जनजातीय आबादी के लिए समान अवसरों के सृजन, सामाजिक-आर्थिक स्तर को उठाने, स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढांचे में सुधार और आजीविका के कार्य 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के तहत किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश की अति पिछड़ी जनजातियों जिनमें राज्य के बैगा, भारिया, सहरिया जनजातीय समुदाय शामिल हैं, उनके लिए जनमन योजना के तहत सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल तक पहुँच, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, पोषण, सड़क एवं दूरसंचार कनेक्टिविटी के साथ-साथ स्थायी आजीविका के अवसर उपलब्ध कराए हैं। राज्यपाल पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जनजाति समुदाय की आनुवंशिक बीमारी सिकल सेल को वर्ष 2047 तक समाप्त करने का संकल्प किया है। संकल्प की सफलता के लिए सरकार और समाज को मिलकर आगे आना होगा। राज्य सरकार द्वारा अभियान के रुप में कार्यवाही करते हुए प्रदेश की 1 करोड़ 6 लाख जनजातीय बहनों-भाईयों की स्क्रीनिंग कर ली है।

केकू केकू केकू केकू केकू केकू

स्क्रीनिंग में 2 लाख 6 हजार से अधिक वाहक और 28 हजार से अधिक रोगी मिले है। सभी को आवश्यक उपचार दिया जा रहा है। सिकल सेल की गर्भावस्था में और प्रसूति के 72 घन्टों के भीतर नवजात की जांच की सुविधाएं भी उपलब्ध करा दी गई है। वर्ष 2047 तक रोग उन्मूलन के लिए समुदाय को दो बातों पर विशेष ध्यान देना होगा। पहली, हर गर्भवती महिला की गर्भावस्था में और नवजात शिशु की 72 घन्टों के भीतर जांच हो जाए। दूसरी, जेनेटिक कार्ड मिलाकर ही विवाह संबंध तय किए जाए। किसी एक के रोगी, वाहक होने पर विवाह किया जा सकता है, किन्तु रोगी युवक-युवती का आपस में विवाह नहीं होना चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल ने जनजातीय समुदाय के गौरव रानी दुर्गावती और बिरसा मुण्डा का संदर्भ देते हुए कहा कि समुदाय को उनके गौरव से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने के प्रयास करने होंगे। शिक्षा प्रगति की पहली सीढ़ी होती है। संतान को अच्छी से अच्छी शिक्षा दिलाएं। सरकार द्वारा शिक्षा के लिए समुदाय को सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने जनजातीय समुदाय विशेषकर युवाओं को सामाजिक कुरीतियों के प्रति आगाह किया, कहा कि प्रगति के लिए प्राथमिक आवश्यकता व्यसनों से दूर रहना है। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा कि देश में पहली बार मध्यप्रदेश ने जनजातीय कला-शिल्प, संस्कृति-सभ्यता, रीति-रिवाज और मान्यताओं-परंपराओं के संरक्षण और भावी पीढ़ी में हस्तांतरण की सार्थक पहल की है। शीघ्र ही हरसूद में 100 सीटर बालिका-बालक प्रशिक्षण केन्द्र प्रारंभ किया जाएगा।

शॉट न्यूज

झांसी-मिर्जापुर हाईवे पर चलती गाड़ी में लगी आग, आठ झुलसे

छतरपुर। झांसी-मिर्जापुर नेशनल हाईवे पर मध्य प्रदेश बॉर्डर के पास देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। दरअसल, एनएच पर चलते हुए अचानक एक गाड़ी में धमाका हो गया, जिसके बाद उसमें आग लग गई। इस हादसे में आठ लोगों की पूरी तरह झुलझ गए। जबकि अन्य पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इलाज के लिए घायलों को झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया हैं। जहां पर उनकी स्थिति काफी नाजुक बताई जा रही है। बता दें कि इस हादसे के बाद घायलों को हरपालपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल में डॉक्टर नहीं होने पर उनको यूपी पुलिस पनवाड़ी ले गई। जहां घायलों की हालत नाजुक होने पर झांसी रेफर किया गया। इससे पहले अप्रैल में मध्य प्रदेश के देवास जिले के इंदौर-भोपाल बायपास पर चलती एक कार में अचानक आग लग गई।

ट्रेन में गर्भवती महिला को उठा दर्द, भागे-भागे पहुंचे डॉक्टर

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर रेलवे स्टेशन में ऐसा वाक्या हुआ, जिसे जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। संघमित्रा एक्सप्रेस ट्रेन बेंगलुरु से निकलकर दानापुर जा रही थी। अचानक एक्सप्रेस ट्रेन के एक कोच में हड़कंप मच गया। लोगों में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। पुलिस की टीम पहुंच गई। डॉक्टर और नर्स दौड़ पड़े। फिर एक महिला को कोच से बाहर निकाला गया। लोगों ने कपड़े से पर्दा बनाया। कुछ ही देर बाद प्लेटफॉर्म में किलकारी गूंजने लगे। महिला ने एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया था। मासूम के चेहरे को देखकर लोगों की खुशी का ठिकाना ही नहीं रहा। नन्ही सी जान को का स्वागत लोगों ने ताली बजाकर किया। दरअसल, बिहार के मोतीहारी इलाके की रहने वाली मीना बेंगलुरू से संघमित्रा एक्सप्रेस ट्रेन में सफर कर रही थी।

पोस्टमॉर्टम के लिए रखा शव, कुत्ता ने फाड़ डाला, शर्मनाक घटना

नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम स्थित सरकारी अस्पताल में मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां पोस्टमार्टम के लिए रखे शव को एक कुत्ते ने नोंच खाया है। मामला प्रकाश में आने के बाद हड़कंप मच गया। आनन फानन में सिविल सर्जन विजयवर्गीय ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। इस संबंध में मृतक के परिजन ने डीएम से लेकर मुख्यमंत्री तक को शिकायत भेजी है। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार की शाम जिले के पलानपुर में सड़क दुर्घटना हुई थी। इस दुर्घटना में एक युवक निखिल चौरसिया (21) बुरी तरह से घायल हो गया था। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया था। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोटमार्टम के लिए भेजा था।

सफेद धुएं के बीच दूल्हा-दुल्हन की हुई रॉयल एंट्री

पास खड़ी बालिका की स्मोक से मौत

संवाददाता ● भोपाल/ राजगढ़

मध्य प्रदेश के राजगढ़ में सात साल की बच्ची आई तो शादी का प्रोग्राम अटेंड करने थी, लेकिन यहां कुछ ऐसा हुआ कि उसकी मौत हो गई। दरअसल, जब दूल्हा-दुल्हन एंट्री कर रहे थे तो वहां स्मोक फायर (सफेद धुआं) के लिए जार लगाए गए थे। उसके ठीक पास वो बच्ची भी खड़ी थी। स्मोक फायर का एक जार नीचे गिरा और बच्ची की फेफड़े और नसें सिकुड़ने लगीं। आनन-फानन में बच्ची को अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, बाढ़गांव निवासी 7 साल की मासूम वाहिनी 6 मई को अपने परिजनों के साथ खुजनेर में आयोजित एक शादी समारोह में गई थीय। यहां यह दर्दनाक हादसा हुआ। शादी में दूल्हा-दुल्हन की स्मोक फायर एंट्री के लिए रखे ठंडी नाइट्रोजन से भरे बर्तन में वह बच्ची वाहिनी खेलते-खेलते गिर गई। बर्तन का तापमान माइनस 5 डिग्री होने से बच्ची के फेफड़े और नसें सिकुड़ने लगीं। परिजन उसे स्थानीय अस्पताल लेकर गए, जहां से गंभीर हालत में इंदौर रेफर कर दिया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा और बाद में उसे बचाया नहीं जा सका। बच्ची वाहिनी की मौत से माता-पिता

के आंसू थम नहीं रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद परिजनों ने समाज को बड़ा संदेश देते हुए अपनी बिटिया के नेत्र दान किए हैं।

स्मोक एंट्री के लिए रखा गया था नाइट्रोजन- आजकल शादियों में स्मोक एंट्री का ट्रेंड है। दूल्हा-दुल्हन के स्टेज पर पहुंचने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। आमतौर पर स्मोक एंट्री के लिए ड्राइ आइस का उपयोग किया जाता है। एक बर्तन में इसे रखा जाता है, फिर इसमें गरम पानी डालने से धुआं निकलता है, जो फायरों के माध्यम से धुआं निर्मित करता है। यही काम नाइट्रोजन के माध्यम से भी किया जाता है।

सरकारी अस्पताल का हाल, बॉटल पकड़े खड़ी रही दूसरी महिला

दमोह। मध्य प्रदेश के दमोह में जिला अस्पताल में मरीजों और गर्भवती महिलाओं को कैसी स्वास्थ्य सुविधाएं मिलती हैं, इसका अंदाजा एक गर्भवती महिला को देखकर लगाया जा सकता है। एंबुलेंस से उतरने के बाद न तो उसे स्ट्रेचर मिला, न ही व्हीलचेयर, जबकि उसे ड्रिप लगी थी। इस बीच महिला के साथ आई उसकी रिश्तेदार ड्रिप हाथ में पकड़े खड़ी रही। यह मामला रविवार शाम चार बजे का है, जिसका वीडियो वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने बना लिया और वह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अब अधिकारी सफाई दे रहे हैं कि हो सकता है महिला ने कोई मदद न मांगी हो। जानकारी लेने पर पता चला कि हटा के नवोदय वार्ड निवासी गर्भवती महिला अर्चना पति रीतेश रजक (22) को गंभीर हालत में रविवार दोपहर जिला अस्पताल लाया गया था। महिला एमसीएच वार्ड के बाहर खड़ी हो गई। जेठानी पूजा ने बताया कि अर्चना की यह दूसरी डिलीवरी है, आठ माह का गर्भ है। दोपहर से देवरानी को ब्लीडिंग हो रही थी। हटा अस्पताल लेकर गए तो वहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। यहां आने के बाद एंबुलेंस से उतरने के बाद गेट से पैदल ही हॉल तक ले गए। देवरानी को ड्रिप लगी थी, इसलिए मैंने अपने हाथ में बॉटल पकड़ ली। यहां न तो व्हीलचेयर मिली, न ही स्ट्रेचर। जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ। रवींद्र सिंह का कहना है कि महिलाओं को अंदर तक पहुंचाने के लिए व्हीलचेयर और स्ट्रेचर की सुविधा उपलब्ध है। किसी ने जानकारी के अभाव में मांग न की हो, यह भी हो सकता है, फिर भी मैं दिखवाता हूं। यह कोई पहला मामला नहीं है। इसके पहले भी इसी तरह की तस्वीरें सामने आ चुकी हैं। जिला अस्पताल में रात के समय जब घायल पहुंचते हैं, तो उनके परिजनों को ही स्ट्रेचर ले जाना पड़ता है, क्योंकि वार्ड बॉय गायब रहते हैं। कई बार तो मुख्य गेट से स्ट्रेचर ही गायब रहता है। इस हालत में मरीजों को कंधे पर उठाकर ले जाना पड़ता है।

टोलकर्मियों ने महिलाओं और बच्चों से की मारपीट

बड़नगर-बदनावर नेशनल हाईवे के टोल प्लाजा पर परिवार से वसूली

संवाददाता ● उज्जैन

वारदात

सड़क परिवहन और राजमार्ग केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भारतमाला परियोजना के तहत मध्य प्रदेश के बड़नगर-बदनावर नेशनल हाईवे का लोकार्पण किया था। इस मार्ग पर दो दिनों पहले ही टोल की शुरुआत हुई है। अब इसी मार्ग का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें टोलकर्मी लोगों से वसूली करते देखे जा रहे हैं। रुपए न देने की बात पर यह लोग कार में बैठे पूरे परिवार को बाहर निकालते हैं और फिर उनके साथ मारपीट शुरू कर देते हैं। महिलाओं और बच्चों के साथ भी मारपीट की जा रही है। इस मारपीट में कार के कांच तक तोड़ दिए गए।

मध्य प्रदेश के उज्जैन, बदनावर नए टोल का शुभारंभ हुए दो दिन ही हुए है और यहां के संचालक और कर्मचारी वाहन चालक और उनके परिजनों से मारपीट कर रुपये वसूल रहे हैं। बताया जाता है कि वाहन चालक और टोल कर्मचारियों का विवाद किसी बात को लेकर शुरू हुआ था, जो देखते ही देखते मारपीट तक पहुंच गया। इस घटना के दौरान ग़ुस्साए टोल के कर्मचारी और संचालकों ने वाहन चालक और उसके साथ गाड़ी में बैठे लोगों और महिलाओं के साथ अभद्रता कर मारपीट कर दी। वीडियो में टोल कर्मी महिलाओं के साथ अभद्रता और मारपीट करते नजर आ रहे हैं। हालांकि इस मामले में वाहन चालक और उसके परिजनों ने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है। इस पूरे मामले को लेकर जब उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा से बात की गई तो उन्होंने कहा कि भले ही फरियादी अभी हमारे पास नहीं पहुंचे हों, लेकिन इस वीडियो के आधार पर दोषियों के खिलाफ जरूर कार्रवाई की जाएगी।

खुद के खर्चे पर ट्रेनिंग लेंगे कांग्रेस MLA और वर्कर

मोबाइल मैनेजमेंट, सोशल मीडिया से लेकर AI की बारीकियां भी सीखेंगे

संवाददाता ● भोपाल

चुनावों में हार और दलबदल के बाद अब कांग्रेस अपने कैडर मैनेजमेंट पर फोकस कर रही है। अपने सभी विधायकों, जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों, विधानसभा प्रभारियों को अब कांग्रेस आवासीय प्रशिक्षण देगी। अगले महीने 9 से 15 जून के बीच सर्वोदय की पद्धति पर दो से तीन दिन का यह आवासीय प्रशिक्षण होगा।

ट्रेनिंग कैम्प में प्रशिक्षण लेने वाले विधायकों, जिला अध्यक्षों सहित सभी नेताओं को एक निश्चित राशि बतौर पार्टी के पास जमा करनी होगी। ऑल इंडिया

कांग्रेस कमेटी (AICC) ट्रेनिंग डिपार्टमेंट के चीफ सचिन राव और एमपी कांग्रेस के प्रशिक्षण विभाग द्वारा ये ट्रेनिंग कैम्प आयोजित किया जाएगा।

बीते 7 मई को भोपाल में एमपी कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी के साथ हुई बैठक में ये तय हुआ है कि पार्टी के कार्यकर्ताओं को आइडियोलॉजी के आधार पर जोड़ने के लिए विधायकों, जिलाध्यक्षों, प्रदेश पदाधिकारियों से लेकर ब्लॉक, मंडलम, सेक्टर और बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिए जाएं। सबसे पहले होने वाली ट्रेनिंग में कांग्रेस पार्टी के इतिहास, राजनीतिक सफरनामे से लेकर वर्तमान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में बताया जाएगा।

कांग्रेस ने ट्रेनिंग मॉड्यूल तैयार किया है। इसमें प्रशिक्षणार्थियों को ये बताया जाएगा कि वर्तमान में एआई के युग में फेक न्यूज और कंटेंट और फैक्ट को कैसे पहचानें। विरोधी दल द्वारा सोशल मीडिया पर किए जाने वाले दुष्प्रचार को रोकने के तौर तरीके भी बताए जाएंगे।

कांग्रेस का मानना है कि सार्वजनिक जीवन में व्यक्ति के व्यवहार और काम करने के तौर तरीके का कार्यकर्ताओं और आम जनता पर बड़ा असर पड़ता है। ट्रेनिंग में मोबाइल मैनेजमेंट, मीडिया और सोशल मीडिया मैनेजमेंट भी सिखाया जाएगा। प्रशिक्षण विभाग से जुडे एक सदस्य ने बताया कि कई नेता अपने वॉट्सऐप पर रीड रिसिप्ट ऑन किए रहते हैं। ऐसे में जब कोई वॉट्सऐप पर मैसेज भेजता है तो यह पता नहीं चलता कि मैसेज देखा या नहीं? नेताओं के वॉट्सऐप पर प्रोफाइल फोटो, बायो पब्लिक होना चाहिए।

तेज हवाओं के साथ कुछ इलाकों में ओले भी गिरने की आशंका

मप्र-राजस्थान के 53 जिलों में आंधी-बारिश की चेतावनी

संवाददाता ● भोपाल

मौसम

भीषण गर्मी के बीच कई राज्यों में बारिश का दौर शुरू हो गया है। मौसम विभाग ने आज मध्य प्रदेश के 45 और राजस्थान के 8 जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। तेज हवाओं के साथ कुछ इलाकों में ओले भी गिरने की आशंका है। राजस्थान में कल सुबह से भीषण गर्मी रही। दोपहर के बाद नागौर, चितौड़गढ़, कोटा सहित 10 से ज्यादा जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश हुई। मध्य प्रदेश के 8 शहरों में तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हुई। राजस्थान के हनुमानगढ़ और एमपी के अशोकनगर में ओले भी गिरे। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे के दौरान लगभग 15 जिलों में तापमान 40 डिग्री के पार चला गया। वाराणसी 42.2 डिग्री के साथ सबसे गर्म शहर रहा। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 3 से 4 दिनों में राज्य के ज्यादातर इलाकों में तापमान में 5 से 6 डिग्री और बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने सोमवार को 20 राज्यों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना जताई है। इनमें राजस्थान, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, असम, मेघालय, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, केरल, महाराष्ट्र, पंजाब, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, झारखंड, तमिलनाडु और तेलंगाना शामिल हैं।

अगले तीन के दिन मौसम का हाल

मौसम विभाग ने कल दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा में तापमान 38 से 44 डिग्री के बीच रह सकता है। बारिश की स्थिति कम रहेगी। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र में तापमान 40 डिग्री के करीब रह सकता है। कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना में भी तापमान में 3°C-7°C बढ़ सकता है। साथ में उमस भी बढ़ेगी। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश के तापमान में कमी आने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड में हल्की बारिश हो सकती है। हिमाचल में बर्फबारी भी हो सकती है। बुधवार को दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र में तापमान 38°C से 44°C के बीच रह सकता है। आंधी-बारिश और तूफान की भी आशंका है। कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना में तापमान 40°C के करीब जा सकता है, यहां समुद्री इलाकों में उमस बढ़ेगी। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड में भी तापमान बढ़ने की संभावना है।

गुरुवार को दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब में बादल छा सकते हैं, हल्की बारिश और धूल भरी संभावना है। उत्तर प्रदेश में तापमान 31-44°C के बीच रह सकता है। साथ ही बारिश भी हो सकती है।

दैनिक आदित्य भारत
!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, मंगलवार, 13 मई, 2025
www.adityabharat.com

अदा शर्मा का फोन नंबर अश्लील साइट पर किया गया था लीक

बिना कपड़ों की तस्वीरों...

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम करने वाली कई एक्ट्रेसेस का सफर काफी कठिन रहा है। इनमें से कई एक्ट्रेसेस ने अपने कास्टिंग काउच का एक्सपीरियंस खुलासा कर लोगों को हैरान कर दिया था। वहीं, बॉलीवुड की एक एक्ट्रेस ने खुलासा किया था कि उसका फोन नंबर अश्लील साइट पर लीक कर दिया गया था और इसके साथ ही उसकी गंदी तस्वीरों को अपलोड कर दिया गया था। इसके बाद उसे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। आइए जानते हैं कि ये एक्ट्रेस कौन है और उसने इस समस्या को कैसे डील किया था। बॉलीवुड एक्ट्रेस अदा शर्मा कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं और उनकी बेहतरीन एक्टिंग लोगों को खूब पसंद आती है। अदा शर्मा का फोन नंबर एक बार अश्लील साइट पर लीक कर दिया गया था, जिससे उनकी पर्सनल लाइफ काफी प्रभावित हुई थी। अदा शर्मा ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया था, 'मेरा फोन नंबर एक अश्लील साइट पर लीक हुआ था। इसके साथ ही मेरी मॉर्फ्ड फोटोज थीं, जन्हें एआई की मदद से बिना कपड़ों की तस्वीरों पर मेरा चेहरा लगाया था। इन तस्वीरों के साथ मेरा रेट भी लिखा था।' अदा शर्मा ने आगे बताया, 'मेरी फिल्म द केरल स्टोरी रिलीज हो रही थी और उससे एक दिन पहले मेरा फोन नंबर लीक हुआ था। मुझे अपना फोन बंद करना पड़ा। मैंने अपनी मम्मी के फोन में इंस्टाग्राम और ट्विटर को इंस्टाल किया था।' 'मुझे धमकियों भरे कॉल्स आने शुरू हो गए। एक ने उन्हें स्लट शेम करने की कोशिश की थी। मैंने अपना फोन नंबर नहीं बदला और कहा मैं धमकियों से नहीं डरने वाली। मैं फोन नंबर बदलती तो शायद ऐसा मैसेज जाता कि आप मुझे डरा सकते हो।' अदा शर्मा ने बताया था कि इस घटना से उनकी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ दोनों पर काफी गहरा असर पड़ा है। इस घटना ने उन्हें हिला कर रख दिया था। हालांकि, उन्होंने इसका मजबूती के साथ मुकाबला किया था।

मिस वर्ल्ड 2025 से कटा पाकिस्तान का पत्ता, एक भी हसीना को नहीं मिली जगह

भारत-पाकिस्तान में तनाव के बीच हैदराबाद में आयोजित 72वें मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में पाकिस्तान से कोई प्रतिनिधि शामिल नहीं हुई। मिस वर्ल्ड खिताब के लिए जारी प्रतिस्पर्धा में भारत, श्रीलंका, नेपाल और बांग्लादेश समेत 110 देशों की सुंदरियां भाग ले रही हैं। मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के एक प्रतिनिधि ने कहा कि इसका विवाद से कोई लेना-देना नहीं है। मिस वर्ल्ड के आधिकारिक तौर पर अल्टेयर मीडिया के अश्विनी शुक्ला ने कहा कि पाकिस्तान सामान्यतः मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में भाग नहीं लेता है। उन्होंने बताया कि 2023 में, जब एरिका राबिन ने 72 साल के इतिहास में पहली बार मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया, तो इस्लामिक देशों ने इसका विरोध किया और कई लोगों ने इसे 'शर्मनाक' बताया था। इस वर्ष भारत का प्रतिनिधित्व राजस्थान के कोटा की रहने वाली नंदिनी गुप्ता कर रही हैं। वह अपनी 'प्रोजेक्ट एकता' के माध्यम से दिव्यांगों के जीवन में बदलाव लाने का कार्य कर रही हैं। नंदिनी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि वह अपने चाचा को पोलियो से जूझते हुए देखने के बाद दिव्यांगों के अधिकारों के लिए काम करने के लिए प्रेरित हुईं। नंदिनी ने वीडियो में कहा, 'हमने एक ऐसी दुनिया बना दी है, जिसमें दिव्यांगों को शामिल नहीं किया गया है और मेरा मानना है कि इस ऐतिहासिक गलती को सुधारने में काफी समय लग गया है। नेपाल का प्रतिनिधित्व कर रही श्रीच्छा प्रधान एक ऐसे विश्व के निर्माण पर जोर दे रही हैं, जो हमारे पूर्वजों के ज्ञान पर ध्यान दे। प्रधान की पहल 'पंच प्रणाली' का उद्देश्य लोगों को नेपाल के स्वदेशी समुदायों की प्रकृति और पारंपरिक ज्ञान से फिर से जोड़ना है ताकि आज की समस्याओं का समाधान किया जा सके। इसी तरह बांग्लादेश से अतीका कोनिका, श्रीलंका की अनुदी गुणसेकरा, फिनलैंड की सोफिया सह, मलेशिया की सरूप रोशी प्रतियोगिता में भाग ले रही है। बता दें कि तीसरी बार है जब भारत मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है। पिछले साल यह प्रतियोगिता मुंबई और दिल्ली में आयोजित की गई थी। पहली बार 1996 में ऐश्वर्या राय के मिस वर्ल्ड का ताज जीतने के दो साल बाद बेंगलुरु में इसका आयोजन किया गया था। चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित ग्रैंड फिनाले को 115 देशों के 100 करोड़ से ज्यादा लोगों ने देखा था।

धर्मशाला में फंसी थीं प्रीति जिंटा, सुरक्षित पहुंचीं घर फैंस को दिया अपडेट

भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद, पाकिस्तान ने देश पर कई सारी मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। 8 मई को इन हमलों के कारण धर्मशाला में हो रहे आईपीएल मैच पर भी असर पड़ा था। पंजाब और दिल्ली का मैच बीच में ही रोकना पड़ा और बाद में कैंसिल किया गया। इस मैच के दौरान बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा भी स्टेडियम में शामिल थीं। मैच कैंसिल होने के बाद स्टेडियम से सभी दर्शकों को तुरंत बाहर जाने के लिए कहा गया था। इस बीच खुद प्रीति भी फैंस से स्टेडियम छोड़ने की अपील करती नजर आई थीं। ड्रोन और मिसाइल हमलों के बीच सभी के मन में प्लेयर्स और स्टेडियम में शामिल मैच ऑफिशियल्स के लिए चिंता थी। हालांकि इंडियन क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई ने एक्ट्रेस, उनकी टीम और बाकी सभी लोगों को शहर से सुरक्षित निकालने के लिए स्पेशल ट्रेन का इंतजाम किया।

बीसीसीआई ने इंडियन रेलवे की मदद से एक स्पेशल वंदे भारत ट्रेन धर्मशाला से दिल्ली के लिए अरेंज कराई, जिसमें सभी को सुरक्षित वापस लाया गया। अब प्रीति ने भी बीसीसीआई और सभी आईपीएल ऑफिशियल्स को धन्यवाद कहा है। उन्होंने फैंस को अपडेट दिया है कि वो अब सही सलामत हैं और अपने घर पहुंच गई हैं। प्रीति ने X (पहले ट्विटर) पर लिखा, 'पिछले कुछ क्रेजी दिनों के बाद, आखिरकार मैं घर पहुंच गई हूं। मैं तहे दिल से इंडियन रेलवे और हमारे रेलवे मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव का धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने दोनों आईपीएल टीम और सभी मैच ऑफिशियल्स और उनके परिवार को धर्मशाला से सुरक्षित, आसान और सुगम तरीके से निकलने में मदद की।' प्रीति ने आगे आईसीसी अध्यक्ष जय शाह और बीसीसीआई को धन्यवाद करते हुए लिखा, 'जय शाह, अरुण धुमल, बीसीसीआई और हमारे सीईओ सतीश मेनन और पंजाब किंग्स की ऑपरेशन टीम को मैं बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहूंगी। आपके सपोर्ट से हम धर्मशाला स्टेडियम से पूरी सावधानी और सही तरीके से निकलने में कामयाब हुए। सब कुछ काफी अच्छे से संभाला गया। अंत में धर्मशाला स्टेडियम में मौजूद सभी लोगों को बहुत बड़ा थैंक्यू। थैक्यू आप लोगों ने तनाव और भगदड़ की स्थिति पैदा नहीं होने दी।' प्रीति ने अंत में अपने फैंस से माफी मांगी क्योंकि उन्होंने परिस्थिति को मद्देनजर रखते हुए, फैंस के साथ फोटो क्लिक नहीं कराई।

हिट मूवी देने के बाद भी सुनील शेट्टी को बोला गया

इडली-वड़ा बेचना चाहिए, एक्टर ने कहा- 'वो मेरा सहारा...'

इस बात में कोई दोराय नहीं हैं कि सुनील शेट्टी आज हिंदी सिनेमा के दिग्गज कलाकारों में गिने जाते हैं। उन्होंने इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक हिट फिल्मों से नवाजा है। उनकी पर्सनैलिटी, एक्शन और अभिनय का कोई जवाब नहीं है, लेकिन करियर के शुरुआती दौर में उन्होंने भी चैलेंजेस फेस किए हैं। कभी फिल्में डिब्बाबंद हो गईं तो कभी ताने मिले। हाल ही में, सुनील शेट्टी ने उस फेज को याद किया है, जब उनकी दो फिल्में डिब्बाबंद हो गई थीं और एक फिल्म हिट भी हुई तब भी किसी ने कहा कि उन्हें अपनी दुकान में इडली-वड़ा बेचना चाहिए। एक हालिया इंटरव्यू में सुनील शेट्टी ने एक फिल्म के हिट होने के बाद एक क्रिटिक की आलोचना से जुड़ा किस्सा बताया है। सुनील शेट्टी ने रेडियो नशा को दिए इंटरव्यू में बताया है कि जब उनकी फिल्म बलवान रिलीज हुई तो लोगों ने उनके एक्शन की तारीफ की, लेकिन कुछ ने उनकी आलोचना भी की। एक क्रिटिक के ताने को याद करते हुए अभिनेता ने कहा, 'एक बहुत बड़े क्रिटिक ने शायद इकलौता क्रिटिक था वो। उसने कहा कि इसकी फिल्म तो चल गई लेकिन यह बहुत खराब एक्टर है। इसको अपनी दुकान में इडली वड़ा बेचना चाहिए।'

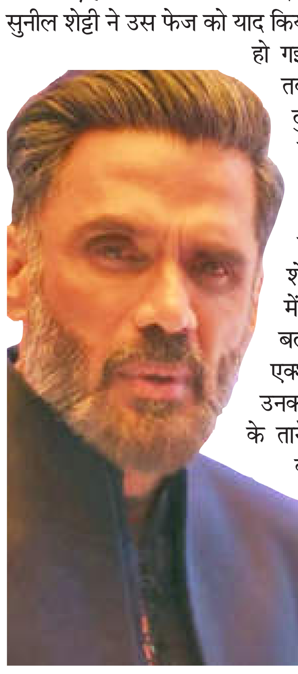

'1 रुपया नहीं देना इन्हें', भड़के सनम तेरी कसम फिल्म के मेकर्स

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव पर युद्धविराम लग चुका है। इस बीच भारत में पाक आर्टिस्ट पर पूरी तरह से बैन भी लगा दिया गया। लगातार चले हमले पर 'सनम तेरी कसम' फिल्म फेम पाक एक्ट्रेस मावरा होकेन ने भारत की निंदा करते हुए बयानबाजी की थी। उनके इस बयान ने फिल्म के लीड एक्टर हर्षवर्धन का गुस्सा तो भड़का ही दिया था। साथ ही अब फिल्म मेकर्स राधिका राव और विनय सप्रू भी सीमा पार आतंकवाद पर पाकिस्तानी एक्टर्स के विवादास्पद बयानों की निंदा करने की बढ़ती सूची में शामिल हो गए हैं। उनका कड़ा रुख फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडियन सिने एम्प्लॉइज के हाल ही में पाकिस्तानी एक्टर्स पर लगाए गए प्रतिबंध से भी मेल खाता है। ये कदम 'सनम तेरी कसम' के लीड एक्टर हर्षवर्धन राणे के सार्वजनिक रूप से खुद को किसी भी फ्यूचर में बनने वाले सीक्वल से दूर करने के तुरंत बाद उठाया गया है, अगर उनकी मूल को-एक्ट्रेस मावरा होकेन फिर से इसमें शामिल होती हैं। पाकिस्तानी अभिनेता मावरा को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के हवाई हमलों की निंदा करने वाले एक ट्वीट के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा। उन्होंने इसे 'कायरतापूर्ण' कहा था और पाक आवाम के आहत होने का आरोप लगाया। उनके इस कमेंट ने भारतीय सोशल मीडिया पर रोष पैदा कर दिया। एचटी से बातचीत में राधिका और विनय ने कहा कि 'सीमा पार आतंकवाद के कारण दशकों से निर्दोष भारतीयों की जान जा रही है। इससे भी ज्यादा निराशाजनक बात है- भारत में काम करने वाले और प्यार, सम्मान और अवसर पाने वाले पाकिस्तानी कलाकारों की चुप्पी या इससे भी बदतर, बयानबाजी है।'

दोनों ने पाकिस्तानी आर्टिस्ट से दूर रहने के भारतीय सरकार के रुख का पूरा समर्थन किया और कहा कि 'हम अपनी सरकार के फैसले से पूरी तरह सहमत हैं। एक भी रुपया नहीं दिया जाना चाहिए। एक राष्ट्र के रूप में हमारे समय का एक भी मिनट नहीं दिया जाना चाहिए। किसी भी भारतीय मंच को उनके साथ जुड़ना नहीं चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात- हमारा राष्ट्र और हमारे लोगों का कल्याण है। राष्ट्र सर्वप्रथम, हमेशा!' मालूम हो कि हर्षवर्धन राणे ने एक इमोशनल इंस्टाग्राम पोस्ट में अपनी इस फीलिंग को शेयर किया था। जहां उन्होंने कहा, 'हालांकि मैं इस अनुभव के लिए आभारी हूं, लेकिन जैसी स्थिति है, और मेरे देश के बारे में की गई सीधे कमेंट को पढ़ने के बाद, मैंने सम्मानपूर्वक ये फैसला लिया है कि अगर पिछली कास्ट के दोबारा होने की कोई संभावना है तो मैं सनम तेरी कसम 2 का हिस्सा बनने से इनकार कर दूंगा।''

हॉल्टर नेक साइडकट ड्रेस पहन सड़कों पर घूमी एक्ट्रेस

ट्रोल्स बोले- इसे पाकिस्तान भेज दो

एक्ट्रेस खुशी मुखर्जी इन दिनों खबरों में बनी हुई हैं। खुशी को रविवार को मुंबई की सड़कों पर स्पॉट किया गया। वो रेस्टोरेंट गई थीं। इस दौरान खुशी ने जो कपड़े पहने थे उसकी वजह से वो बहुत ट्रोल हुईं। खुशी का लुक यूजर्स को बिल्कुल पसंद नहीं आया। खुशी काफी बोल्ड लुक में नजर आईं। उन्होंने गोल्डन हॉल्टर नेक ड्रेस पहनी हुई थी। इस ड्रेस में वो बैक फ्लॉन्ट करती दिखी। इसी के साथ ड्रेस में साइड कट्स भी थे। इस वजह से खुशी को अनकम्फर्टेबल भी होते देखा गया। उन्होंने हूप्स ईयररिंग्स और हाई हील्स से इस लुक को कंप्लीट किया। उन्होंने शिमरी आईमेकअप लिया था और लाइट्स शेड लिप्स्टिक लगाई। खुशी को इस लुक के लिए बहुत ताने सुनने पड़ रहे हैं एक यूजर ने लिखा- अश्लीलता फैशन नहीं। चीप पब्लिसिटी स्टंट अब फेमस हो गए हैं। वहीं एक्ट्रेस किश्वर मर्चेंट ने भी इस पर रिएक्ट किया। उन्होंने लिखा- बहुत बुरा। एक यूजर ने लिखा- मॉडर्न सोसायटी के नाम पर हम लोग कहां जा रहे हैं। ये पूरी तरह से चीपनेस है। एक यूजर ने लिखा- इस पाकिस्तान भेज दो। मालूम हो कि इससे पहले भी खुशी को इतने ही बोल्ड लुक में स्पॉट किया गया था। इस दौरान भी उन्हें बहुत ट्रोलिंग झेलनी पड़ी थी। लोगों को उनका ये बोल्ड लुक बिल्कुल रास नहीं आया है। बता दें कि खुशी मुखर्जी कोलकाता से बिलॉन्ग करती हैं। उन्हें 2014 में ई फिल्म हार्ट अटैक के लिए जाना जाता है। खुशी ने फादरहुड, स्ट्रेंजर, देविका, कस्तूरी, जंगल में मंगल, नादान और नूरी जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।

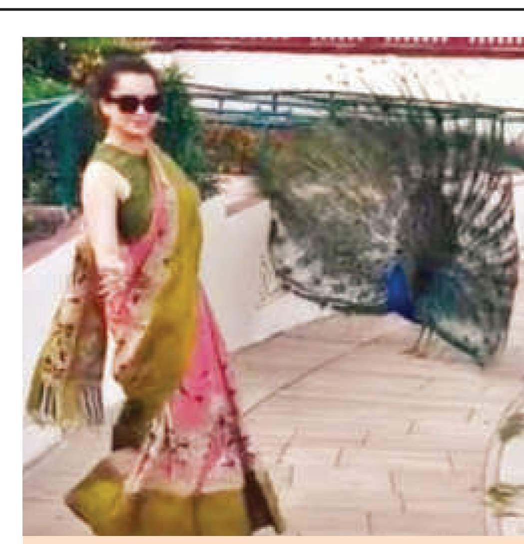

मोर को देखकर नाचने लगीं कंगना, पेड़ से तोड़े आम

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और फैंस को अपनी जिंदगी से जुड़े अपडेट देती रहती हैं। कंगना ने अपने कुछ नए वीडियो शेयर किए हैं। इन वीडियो में एक्ट्रेस को मोर को देखकर उसकी तरह नाचते देखा जा सकता है। एक्ट्रेस ने आम पेड़ से आम तोड़े और अपने इस समय का आनंद लिया। कंगना ने पोस्ट में बताया है कि जिंदा रहने के लिए जिंदगी जरूरी है। इन तस्वीरों और वीडियो में उन्हें खुश देखा जा सकता है।

कंगना रनौत ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो अपने सामने पंख फैलाए मोर को देखकर खुद भी डांस करने लगती हैं। अगले वीडियो में उन्हें पेड़ से आम तोड़ते देखा जा सकता है। एक्ट्रेस ने एक्शन में लिखा, 'जिंदा रहने के लिए सिर्फ एक चीज जरूरी है और वह है जिंदगी। उम्मीद है कि हम जी नहीं रहे हैं, बल्कि जिंदा भी हैं और जीवंत भी।' ये वीडियो उनके फैंस पसंद कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ऐसे खिलखिलाती अच्छी लगती हो, एक अन्य यूजर ने लिखा, ये दिल मांगे मोर, एक अन्य यूजर ने लिखा आपके दिल में मेरे लिए जगह है, एक और यूजर ने लिखा, खूबसूरत क्वीन, एक यूजर ने लिखा, आपके कितने रंग है। wबता दें, कंगना रनौत फिल्मों की एक्ट्रेस के साथ हिमाचल प्रदेश के मंडी से बीजेपी की सांसद भी हैं। 2024 में उन्होंने चुनाव जीतकर अपने प्रदेश के लोगों के लिए काम करने का फैसला किया था। उन्हें कुछ समय पहले आई फिल्म एमरजेंसी में इंदिरा गांधी के किरदार में भी देखा गया था। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर सफलता नहीं मिली, लेकिन उनकी परफॉरमेंस की जमकर तारीफ हुई।

जून में होगी छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग की शुरूआत

खेल संवाददाता ● रायपुर

छत्तीसगढ़ के क्रिकेट प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। आगामी जून महीने से उउढछ यानी छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन का आगाज होने जा रहा है। पिछले सीजन की तुलना में इस बार कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ इसकी अंतिम तैयारियों में जुटा हुआ है। नवा रायपुर स्थित शहीद वीरनारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की सुविधाओं को भी अपग्रेड किया जा रहा है, ताकि आयोजन की गुणवत्ता और दर्शकों का अनुभव दोनों ही बेहतर हो।बता दें कि उउढछ में इस बार अंतरराष्ट्रीय मैचों की तर्ज पर उम्र (डिसीजन रिव्यू सिस्टम) सिस्टम लागू किया जाएगा।

यह अब तक केवल अंतरराष्ट्रीय मैचों और इंडियन प्रीमियर लीग (क्ढछ) में देखने को मिलता था। इस सिस्टम के तहत, प्रत्येक टीम को तीन रिव्यू मिलेंगे, जिनका उपयोग वे ग्राउंड अंपायर के फैसले को चैलेंज करने के लिए कर सकते हैं। यह पहली बार है जब घरेलू क्रिकेट लीग में इस अत्याधुनिक तकनीकी प्रणाली का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे खेल के फैसले और भी निष्पक्ष और सटीक होंगे।उउढछ में इस बार इंटरनेशनल कमेंटेटर्स की कमेंट्री होगी, जो पहले ही अंतरराष्ट्रीय मैचों में काम कर चुके हैं। लीग के लिए 10 अंतरराष्ट्रीय कमेंटेटरों की सूची तैयार की गई है, जिनमें से 3 से 4 कमेंटेटरों को फाइनल किया जाएगा। इसके साथ ही, बीसीसीआई पैनल के अंपायरों को इस लीग के मैचों में अपनी अंपायरिंग सेवा देने के लिए बुलाया जाएगा, जिससे मैचों की गुणवत्ता

और निष्पक्षता सुनिश्चित होगी।

छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के मीडिया प्रभारी राजेश दवे ने बताया कि हम छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग का यह सीजन और बेहतर करने जा रहे हैं। इस बार डीआरएस सिस्टम, इंटरनेशनल कमेंटेटर और बीसीसीआई पैनल के अंपायर आयोजन में शामिल होंगे। दर्शकों के बैठने के लिए भी बेहतर व्यवस्था रहेगी। सीसीपीएल का स्टैंडर्ड बेहतर कर इसे एक ब्रांड बनाएंगे।पिछले सीजन की तरह इस बार भी 6 टीमें हिस्सा लेंगी। इन टीमों में रायपुर राइनोस, बिलासपुर बुल्स, सरगुजा टाइगर्स, बस्तर बाइसनस, रायगढ़ लायंस और राजनांदगांव पैंथर्स शामिल हैं। पिछले सीजन के फाइनल में रायपुर राइनोस ने बिलासपुर बुल्स को हराकर उउढछ का खिताब अपने नाम किया था।पिछले सीजन में टीम बनाने के लिए प्रदेशभर से 450 खिलाड़ियों को चुना गया था। इनमें से 280 खिलाड़ी शॉर्टलिस्ट हुए थे। इसके बाद फिर इनमें से 6 टीमों के लिए 120 खिलाड़ियों का चयन किया गया था, लेकिन इस बार उन खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा जिन्होंने पिछले सीजन में अच्छा प्रदर्शन किया। खराब प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को बाहर किया जा सकता है, जबकि बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मौका मिलेगा। गौरतलब है कि इस बार भी उउढछ के सभी मैचों का प्रसारण सोनी टीवी पर किया जाएगा। दर्शकों के लिए इस बार स्टेडियम में फ्री एंट्री होगी और उनकी बैठने की सुविधाओं को बेहतर बनाया जाएगा। स्टेडियम में आने वाले दर्शकों के लिए एक पास सिस्टम भी लागू किया जाएगा।

विराट ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया

इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दी जानकारी

एजेंसी ● नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट को एक हफ्ते के अंदर दो बड़े झटके लगे हैं। रोहित शर्मा के बाद अब विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया है। सोमवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। पिछले कुछ दिनों से मीडिया में यह बात चल रही थी कि कोहली ने बीसीसीआई को अपने संन्यास के बारे में जानकारी दे दी है, लेकिन बीसीसीआई ने आगामी इंग्लैंड टेस्ट सीरीज को देखते हुए उन्हें अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा था। हालांकि, कोहली ने टेस्ट से संन्यास लेने का ही फैसला किया। भारत के लिए यह बड़ा झटका है क्योंकि बुधवार को नियमित कप्तान रोहित ने भी टेस्ट से संन्यास ले लिया था। एक हफ्ते के अंदर दो दिग्गज खिलाड़ियों के संन्यास से फैंस सदमे में हैं। इसी के साथ भारतीय टेस्ट क्रिकेट में एक अध्याय का अंत हो गया। भारत को इंग्लैंड का दौरा अगले महीने करना है। इस दौरान टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी।विराट ने अपने पोस्ट में लिखा, 'टेस्ट क्रिकेट में पहली बार मैंने बैगी ब्लू जर्सी 14 साल पहले पहनी थी। ईमानदारी से कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह प्रारूप मुझे इस तरह के सफर पर ले जाएगा। इसने मेरी परीक्षा ली, मुझे पहचान दिया और मुझे ऐसे सबक सिखाए जिन्हें मैं जीवन भर साथ रखूंगा। सफेद जर्सी में खेलना मेरे लिए बहुत ही खास और निजी अनुभव है। परिश्रम, लंबे दिन, छोटे-छोटे पल जिन्हें कोई नहीं देखता, लेकिन यह हमेशा आपके साथ रहते हैं। जब मैं इस प्रारूप से दूर जा रहा हूं, तो यह आसान नहीं है, लेकिन यह फिलहाल सही लगता है। मैंने इसमें अपना सबकुछ दिया है और इसने मुझे मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा दिया है। मैं खेल के लिए, मैदान पर खेलने वाले लोगों के लिए और हर उस व्यक्ति के लिए आभारी हूं, जिसने मुझे इस सफर में आगे बढ़ाया। मैं हमेशा अपने टेस्ट करियर को मुस्कुराते हुए देखूंगा।' उन्होंने आगे अपनी टेस्ट कैप नंबर '269' लिखा और लिखा 'साइनिंग ऑफ'।

विराट अब सिर्फ वनडे में खेलते दिखाई पड़ेंगे। वह पिछले साल टीम इंडिया के टी20 विश्व कप जीतने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं। कोहली ने कुल मिलाकर 123 टेस्ट खेले और इसकी 210 पारियों में 46.85 की औसत से 9230 रन बनाए। इसमें 30 शतक और 31 अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट करियर में कोहली ने कुल 1027 चौके और 30 छक्के लगाए। इसके अलावा टी20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने 125 मैचों में 48.7 की औसत और 137.05 के स्ट्राइक रेट से 4188 रन बनाए। इसमें एक शतक और 38 अर्धशतक भी शामिल हैं। वनडे में कोहली 302 मैचों में 57.88 की औसत और 93.35 के स्ट्राइक रेट से 14181 रन बना चुके हैं। इसमें 51 शतक और 74 अर्धशतक शामिल हैं।

कोहली तीनों प्रारूप में रह चुके हैं कप्तान

कोहली तीनों प्रारूप में टीम इंडिया की कमान भी संभाल चुके हैं। वह 2014 में धोनी के संन्यास के बाद ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहली बार कप्तान बने थे। तब से लेकर 2022 में दक्षिण अफ्रीका दौरे तक टेस्ट में कप्तान रहे। वहीं, 2021 में उनसे टी20 और वनडे की कप्तानी छीन ली गई थी। कोहली ने अपना टेस्ट डेब्यू में 20 जून 2011 को सबिना पार्क में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। वहीं, आखिरी टेस्ट उन्होंने इसी साल सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। कोहली का प्रदर्शन पिछली दो टेस्ट सीरीज में बेहद खराब रहा था और इन दोनों सीरीज में टीम इंडिया को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा था। न्यूजीलैंड ने पिछले साल भारत आकर टीम इंडिया को तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया था। इस सीरीज में कोहली तीन मैचों की छह पारियों में 15.50 की औसत से 93 रन बनाए थे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कोहली पांच मैचों की नौ पारियों में 190 रन बना पाए थे। इसमें एक शतक शामिल है। कोहली ने पर्थ में पहले टेस्ट में ही शतक लगाया था। इसके बाद आठ पारियों में वह केवल 90 रन बना सके। कोहली आठ बार आउट हुए और इसमें से सात बार वह ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंद पर छेड़छाड़ करते हुए आउट हुए।

गिल या पंत में से चुना जाएगा नया टेस्ट कप्तान? बुमराह ने खुद को दौड़ से किया बाहर

एजेंसी ● मुंबई

बुमराह को टेस्ट कप्तान की भूमिका के प्रबल दावेदार के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि उन्होंने चयनकताओं को सूचित कर दिया है कि वह वर्कलोड की वजह से पांच मैचों की लंबी टेस्ट सीरीज के सभी मैच खेलने की गारंटी नहीं दे सकते।

रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास के बाद इस प्रारूप में टीम इंडिया के नए कप्तान को लेकर जद्दोजहद जारी है। भारत को अगले महीने से इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इससे पहले बीसीसीआई को टीम का चयन करना है। हालांकि, नया कप्तान कौन बनेगा इसको लेकर अभी तक कोई पुख्ता जानकारी नहीं है।

इस रेस में जसप्रीत बुमराह और शुभमन गिल के रूप में दो खिलाड़ी थे, लेकिन स्काई स्पोर्ट्स न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक बुमराह ने कथित तौर पर अगले टेस्ट कप्तान बनने की दौड़ से खुद को बाहर कर लिया है। अब यह रेस गिल और ऋषभ पंत के बीच है। बुमराह को टेस्ट कप्तान की भूमिका के प्रबल दावेदार के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि उन्होंने चयनकताओं को सूचित कर दिया है कि वह वर्कलोड की वजह से पांच मैचों की लंबी टेस्ट सीरीज के सभी मैच खेलने की गारंटी नहीं दे सकते।

ऐसे में अब यह बात सामने आ रही है कि चयनकर्ता किसी ऐसे व्यक्ति को प्राथमिकता देंगे जो पूरी सीरीज में लगातार खेल सके।बुमराह के दौड़ से बाहर होने के बाद चयनकर्ता कप्तानी के लिए गिल और पंत में से किसी एक को चुन सकते हैं। जिस भी खिलाड़ी को कप्तान के रूप में नहीं चुना जाता है, उसे उप-कप्तान नामित किए जाने की उम्मीद है। इंग्लैंड सीरीज के लिए भारतीय टीम की आधिकारिक घोषणा 24 मई तक होने की उम्मीद है।

कप्तान कोहली की टेस्ट में पांच सबसे बड़ी जीत कंगारुओं को उनके घर पर हराकर रचा था इतिहास

एजेंसी ● नई दिल्ली

विराट न सिर्फ एक बल्लेबाज के रूप में सुपरहिट रहे हैं, बल्कि एक कप्तान के रूप में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अपनी कप्तानी में 68 में से 40 टेस्ट जीते हैं और इस तरह वह भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान हैं।भारत को आईपीएल 2025 के बीच एक बड़ा झटका लगा, जब नियमित कप्तान रोहित शर्मा ने टेस्ट से संन्यास का एलान कर दिया। इसे अभी एक हफ्ता भी नहीं हुआ था कि विराट कोहली ने भी टेस्ट से संन्यास लेने का एलान कर दिया।

ऐसे में हम आपको विराट के अलग-अलग रिकॉर्ड्स के बारे में बता रहे हैं। आज हम आपको उनकी कप्तानी के दौरान जीती गईं ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज के बारे में बता रहे हैं।विराट कोहली 2014 में भारत के टेस्ट कप्तान बने थे। 2022 में उन्होंने टेस्ट कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। तीन महीने के अंदर-अंदर उन्होंने एक-एक करके तीनों फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी थी। विराट न सिर्फ एक बल्लेबाज के रूप में सुपरहिट रहे हैं, बल्कि एक कप्तान के रूप में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अपनी कप्तानी में 68 में से 40 टेस्ट जीते हैं और इस तरह वह भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान हैं।

वो पहले एशियाई कप्तान भी हैं, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया जाकर उनके खिलाफ टेस्ट सीरीज अपने नाम की है।साल 2018-19 में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर गई थी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के नाम से जानी जाने वाली इस टेस्ट सीरीज में भारत ने कमाल का प्रदर्शन किया था। चार मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट भारत ने 31 रन से जीता था। हालांकि, दूसरे टेस्ट में उसे हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद भारत ने तीसरा टेस्ट 137 रन से जीतकर सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली और चौथा मैच ड्रॉ करा लिया। इसके साथ ही भारत ने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पहली टेस्ट सीरीज जीत ली। यह पहली बार था जब भारत ने ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीती हो।साल 2019 में भारतीय टीम ने विराट की कप्तानी में कैरिबियाई टीम को उसके घर में 2-0 से हराया था। दो मैचों की इस सीरीज में भारत ने सभी टेस्ट अपने नाम किए थे और दोनों मैच बड़े अंतर से जीता था। पहले मैच में भारत को 318 और दूसरे मैच में 257 रनों से जीत हासिल हुई थी। वेस्टइंडीज में यह भारत का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन था। इससे पहले भी भारत ने यहां टेस्ट मैच जीते थे, लेकिन जो दबदबा कोहली की टीम ने बनाया वो कभी नहीं था। कोहली की कप्तानी में एक नए आक्रामक टीम इंडिया की शुरूआत जो किसी से नहीं डरती।

सचिन के 100 शतकों का रिकॉर्ड सुरक्षित? रिकॉर्ड टूटना मुश्किल

एजेंसी ● नई दिल्ली

विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद यह चर्चा शुरू हो गई है कि क्या अब सचिन तेंदुलकर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक लगाने का रिकॉर्ड सुरक्षित हो गया है? माना जाता था कि अगर कोई खिलाड़ी है जो इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ सकता है तो वह कोहली है। एक बार जब सचिन से अवॉर्ड समारोह के दौरान पूछा गया था कि कौन सा खिलाड़ी उनके 100 शतकों का रिकॉर्ड तोड़ सकता है, तो उन्होंने विराट कोहली और रोहित शर्मा के नाम लिए थे। दिलचस्प बात यह है कि एक सप्ताह के भीतर ही इन दोनों खिलाड़ियों ने टेस्ट प्रारूप को अलविदा कह दिया।

कोहली ने सोमवार को टेस्ट प्रारूप से संन्यास लिया और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके नाम 82 शतक है। यानी कोहली सचिन के इस रिकॉर्ड की बराबरी करने से 18 शतक दूर हैं। कोहली पिछले साल टी20 अंतरराष्ट्रीय से भी संन्यास ले चुके हैं और अब वह भारत के लिए सिर्फ एक प्रारूप में ही खेलेंगे। माना जा रहा है कि कोहली वनडे में अधिकतम दो साल तक खेल सकते हैं। ऐसे समय जब वनडे प्रारूप के भविष्य को लेकर लगातार चर्चा चल रही है, उस वक्त कोहली के लिए 19 शतक लगाना बहुत ही कठिन कार्य होगा। इस बात की संभावना है कि कोहली 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले वनडे विश्व कप में खेलेंगे।

सचिन का रिकॉर्ड तोड़ना कितना मुश्किल?

ऐसा मालूम पड़ता है कि सचिन का यह रिकॉर्ड फिलहाल बरकरार रहेगा। तेंदुलकर ने 200 टेस्ट में 51 और 463 वनडे में 49 शतक बनाए थे। वहीं, कोहली ने 123 टेस्ट में 30, 302 वनडे में 51 और 125 टी20 मैचों में एक शतक बनाया है और सर्वाधिक शतक बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में वह दूसरे स्थान पर हैं। पूर्व कप्तान रोहित ने टेस्ट में 12, वनडे में 32 और टी20 में पांच समेत कुल 49 शतक लगाए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक शतक जड़ने वाले बल्लेबाजों की सूची में तेंदुलकर और कोहली के बाद ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग (71), श्रीलंका के कुमार संगकारा (63), दक्षिण अफ्रीका के जाक कैलिस (62) और हाशिम अमला (55), श्रीलंका के माहेला जयवर्धने (54) क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं।

खेल गतिविधियों को प्रोत्साहन देने सरकार ने किया दोगुना खेल बजट : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा में तैयार किए जा रहे है खेल के सर्व सुविधायुक्त मैदान

खेल संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में अखिल भारतीय फिरोजिया ट्रॉफी 2025 टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन क्षीरसागर स्टेडियम पर हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा की खेल गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार ने खेल बजट दोगुना कर दिया है। राज्य सरकार ओलंपिक में पदक जीतने वाले खिलाड़ी को 50 लाख रुपए से बढ़ाकर 1 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि देगी। प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा में खेल के सर्व सुविधायुक्त मैदान

सरकार द्वारा तैयार किए जा रहे है। खेलो को शिक्षा नीति का अभिन्न अंग बनाकर खिलाड़ियों और खेल प्रशिक्षकों को भी महत्वपूर्ण पद दिए जायेंगे। यह सब प्रयास से प्रदेश को देश में खेल का नंबर 1 राज्य बनाएंगे। प्राचीन काल से खेल पुरुषार्थ की सबसे अनूठी मिसाल है। खेल के मैदानों में अब आधुनिक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। इससे रात में भी खेलो का आयोजन किया जा रहा है। उज्जैन में भी विश्व स्तरीय खेल सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उज्जैन में जल्द ही एस्ट्रोटर्फ मैदान का निर्माण कर विश्वस्तरीय सुविधा हॉकी के लिए भी उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अखिल भारतीय फिरोजिया ट्रॉफी में इंदौर और ओडिशा की टीमें फाइनल खेल रही है। दोनों टीम खेल भावना से खेल खेले और जीत का संपूर्ण प्रयास करें। जल्द ही हमारे प्रदेश एवं जिले से निकले खिलाड़ी भविष्य में रणजी खेल कर देश की टीम में चयनित हो और विश्व कप जीत कर जिले का नाम रौशन करें, यही मंगलकामनाएं है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में विश्व के विभिन्न देशों के उद्योगपतियों द्वारा निवेश कर औद्योगिक इकाइयां स्थापित की जा रही है। प्रदेश और जिला नित नई विकास की ऊंचाईयां छू रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पहलगाम हमले का बदला भारतीय सेना द्वारा संपूर्ण रूप से लेकर भारत को गौरवान्वित किया है ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कार्यक्रम के अंत में ट्रॉफी का स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। सांसद श्री अनिल फिरोजिया ने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न अंग है। विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, जनप्रतिनिधि श्री संजय अग्रवाल,श्री रवि सोलंकी एवं अन्य जनप्रतिनिधि और खिलाड़ी उपस्थित रहे। धार्मिक नगरी उज्जैन में रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता अखिल भारतीय फिरोजिया ट्राफी 2025 का आयोजन 05 मई से 11 मई 2025 तक नगर के मध्य स्थित क्षीर सागर खेल मैदान पर किया गया। सांसद श्री अनिल फिरोजिया द्वारा पिता स्व. श्री भूरेलाल जी फिरोजिया की स्मृति मे विगत 20 से आयोजन किया जा रहा है।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, मंगलवार, 13 मई, 2025
www.adityabharat.com

वेसाक दिवस पर नृत्य...

इंडोनेशिया के मैगेलांग शहर में वेसाक दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित पारंपरिक जीवन-मुक्ति अनुष्ठान के तहत बौद्ध भक्तों द्वारा मछलियों को छोड़ने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान नर्तक ने प्रोगो नदी में नृत्य किया।

शॉट न्यूज

गाजा में बचे आखिरी अमेरिकी बंधक की रिहाई होगी

गाजा। इजरायल और हमास के बीच जारी संघर्ष के बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, हमास ने रविवार रात घोषणा की कि गाजा में बचे आखिरी जीवित अमेरिकी बंधक एडन अलेक्जेंडर को जल्द रिहा किया जाएगा। हालांकि, अभी इसको लेकर स्थिति साफ नहीं हो सकी है कि एडन अलेक्जेंडर को कब रिहा किया जाएगा। इस खबर के सामने आने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी खुशी जाहिर की है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट पर इस मामले को लेकर अपनी बात रखी है। बताया जा रहा है कि हमास की तरफ से यह कदम युद्धविराम स्थापित करने, गाजा में राहत सामग्री की आपूर्ति फिर से शुरू करने और बॉर्डर क्रॉसिंग खोलने के प्रयासों के तहत उठाया जा रहा है। इस बड़े एलान के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का एक एक सोशल मीडिया पोस्ट सामने आया है।

श्रीलंका में भीषण दुर्घटना, बस खाई में गिरी, 21 की मौत

कोलंबो। श्रीलंका के मध्य में स्थित नुवारा एलिया में भीषण सड़क हादसा हुआ है। यह हादसा उस समय हुआ जब बस गोथमलाई केरंदियेला के एक पहाड़ी क्षेत्र से गुजर रही थी और अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। यह दुर्घटना कल सुबह करीब 11 बजे हुई। हादसे में अब तक 21 यात्रियों की जान चली गई और 35 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हैं। श्रीलंका पुलिस ने यह जानकारी दी है। श्रीलंका के प्रशासन की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, गोथमलाई केरंदियेला में एक सरकारी बस एक पतले रास्ते से जा रही थी। तभी बस ड्राइवर के नियंत्रण से बाहर हो गया और फिसलकर खाई में जा गिरी। जिसके बाद राहत कार्य चलाया गया। 30 से ज्यादा घायलों को नुवारेलिया जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, कुछ घायलों को कंबालाई और नवलपट्टी के अस्पतालों में भी भर्ती कराया गया। घायलों में दो बच्चे भी शामिल हैं।

ट्रम्प प्रशासन बोला- चीन के साथ ट्रेड डील फाइनल हुई

जेनेवा में समझौता, आज जॉइंट स्टेटमेंट जारी करेंगे दोनों देश

एजेंसी ● जेनेवा

अमेरिका और चीन के बीच स्विट्जरलैंड के जेनेवा में ट्रेड डील हो गया है। जिनेवा में दो दिनों की बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच ये समझौता हुआ है। चीन के साथ चल रहे ट्रेड वॉर के बीच इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बड़ी जीत माना जा रहा है। व्हाइट हाउस ने 11 मई को एक बयान में चीन व्यापार समझौते की घोषणा की। हालांकि व्हाइट हाउस ने इसकी डिटेल नहीं दी है। चीनी उप-प्रधानमंत्री हे लीफेंग ने कहा कि जिनेवा में एक जॉइंट स्टेटमेंट जारी किया जाएगा। वहीं, उप वाणिज्य मंत्री ली चेंगगैंग ने कहा कि इसमें दुनिया के लिए अच्छी खबर होगी। अमेरिकी अधिकारियों ने इसे व्यापार घाटा कम करने के लिए एक डील बताया, जबकि चीनी अधिकारियों ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच अहम सहमति बनी है और नए सिरे से आर्थिक बातचीत शुरू करने पर सहमति हुई है। पिछले महीने ट्रम्प ने चीनी सामानों पर 145% टैरिफ लगा दिए थे, जिसके बदले चीन ने भी अमेरिकी सामान पर 125% तक का टैरिफ लगा दिया था। जिससे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सालाना 600 अरब डॉलर का व्यापार लगभग रुक गया था।

सहमति

चीन से मतभेद उतने बड़े नहीं थे, जितना सोचा था-अमेरिका

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने पत्रकारों को बताया, 'दोनों पक्ष बहुत जल्दी एक समझौते पर पहुंच पाए, इससे पता चलता है कि शायद मतभेद उतने बड़े नहीं थे जितना पहले सोचा जा रहा था। हालांकि, इन दो दिनों की बातचीत से पहले काफी तैयारी की गई थी।' हालांकि अमेरिका और चीन दोनों ने 145% अमेरिकी टैरिफ और 125% चीनी टैरिफ को कम करने को लेकर किसी समझौते का जिक्र नहीं किया।

ट्रम्प ने चीन पर लगाए टैरिफ कम करने का संकेत दिया था - एक हफ्ते पहले ट्रम्प ने इशारा दिया था कि वे चीन पर लगाए गए टैरिफ को कम कर सकते हैं। उन्होंने ये माना कि मौजूदा टैरिफ दरें इतनी ज्यादा हैं कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं ने एक-दूसरे के साथ व्यापार करना ही बंद कर दिया है। ट्रम्प ने एनबीसी के एक शो में कहा था कि किसी भी समय मैं चीन पर टैक्स घटा दूंगा, क्योंकि अगर ऐसा नहीं किया गया तो उनके साथ व्यापार करना मुमकिन नहीं होगा और वे व्यापार करना चाहते हैं। ट्रम्प ने इशारा किया कि चीन की इकोनॉमी इस वक्त मुश्किल में है। वहां फैक्ट्रियों में कामकाज 2023 के बाद से सबसे बुरी हालत में है। एक्सपोर्ट के ऑर्डर भी काफी गिर गए हैं।

हेयर ट्रांसप्लांट से बिगड़ी इंजीनियर की तबीयत

इंफेक्शन से हुई मौत

एजेंसी ● कानपुर

उत्तर प्रदेश के कानपुर में झड़ चुके बालों को उसी रूप में पाने की ललक में एक इंजीनियर को हेयर ट्रांसप्लांट कराना भारी पड़ गया। क्योंकि हेयर ट्रांसप्लांट के चलते उसकी मौत हो गई। अब इस पूरे मामले को लेकर उसकी पत्नी ने मुख्यमंत्री के पोर्टल पर शिकायत की। जिसके बाद पुलिस ने हेयर ट्रांसप्लांट करने वाले डॉक्टर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

शरीर में इंफेक्शन फैलने से हुई मौत - जानकारी के अनुसार कानपुर के पनकी पावर प्लांट में सहायक अभियंता विनीत दुबे तैनात थे। उनकी पत्नी जया दुबे का कहना है कि मेरे पति गोरखपुर के रहने वाले थे। होली पर छुट्टी के चलते मैं अपने दो बच्चों के साथ मायके गोंडा चली गई थी। इसी बीच 12 मार्च को मेरे

पति ने कल्याणपुर की डॉक्टर अनुष्का तिवारी से हेयर ट्रांसप्लांट कराया था। पत्नी का कहना है डॉक्टर ने खुद ही मेरे पति से फोन पर संपर्क किया था। हेयर ट्रांसप्लांट के दौरान ही मेरे पति के चेहरे पर सूजन आ गई और उनकी हालत बिगड़ गई। जिसके बाद डॉक्टर ने उनको दूसरी जगह इलाज कराने की सलाह दी। इस पर ससुराल वालों ने उन्हें सर्वोदय नगर के बड़े प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने उनका इलाज किया लेकिन इंफेक्शन ज्यादा होने की वजह से 15 मार्च को उनकी मौत हो गई। उनकी मौत हेयर ट्रांसप्लान सही ढंग से न किए जाने के कारण हुई।

बांग्लादेश में लगातार चल रहा राजनीतिक विद्रोह

यूनुस सरकार के प्रतिबंध को नहीं मनेगी आवामी लीग

एजेंसी ● ढाका

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को बैन कर दिया है। इस पर अवामी लीग ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए साफ किया है कि उनका राजनीतिक मैदान छोड़ने का कोई इरादा नहीं है। अवाम लीग ने इस फैसले को तानाशाही की पराकाष्ठा बताते हुए सियासी जमीन पर काम करते रहने का ऐलान किया है। अवामी लीग ने दुनियाभर के लोकतांत्रिक देशों से इस फैसले की निंदा करने की अपील की है। पार्टी का कहना है कि लोकतंत्र पसंद करने वाली तमाम संस्थाओं और देशों को इस निर्णय का विरोध करना चाहिए। अवामी लीग पर बैन और पार्टी के इसके खिलाफ विरोध से बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता और बढ़ सकती है। बीते करीब एक साल से बांग्लादेश में लगातार सियासी उथल पुथल देखा जा रही है।

विद्रोह

बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने अवामी लीग की सभी गतिविधियों पर रोक लगा दी है। इसमें साइबर स्पेस भी शामिल है यानी इंटरनेट से जुड़े प्लेटफॉर्म पर भी पार्टी अपनी बात नहीं रख सकती है। सरकार ने यह फैसला आतंकवाद विरोधी कानून के तहत लिया है। बांग्लादेश का चुनाव आयोग अब अवामी लीग का रजिस्ट्रेशन रद्द करने पर फैसला लेगा। अवामी लीग का रजिस्ट्रेशन रद्द हो जाता है तो पार्टी आम चुनाव में हिस्सा नहीं ले पाएगी।

ये तानाशाही की हद: अवामी लीग

अवामी लीग ने यूनुस सरकार इस फैसले को 'घृणा के साथ' खारिज करते हुए कहा है कि वे प्रतिबंध के बावजूद अपना काम जारी रखेंगे। पार्टी ने एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा, 'हम फासीवादी तानाशाह यूनुस सरकार के फैसले को घृणा के साथ खारिज और विरोध करते हैं। अवामी लीग फासीवादी यूनुस सरकार के फैसले की अवहेलना करते हुए उचित तरीके से अपनी गतिविधियां जारी रखेगी।' अवामी लीग ने आगे कहा है कि बहुत दुख की बात कि 'आज के स्वतंत्र बांग्लादेश' को 'अलोकतांत्रिक फासीवादी' सरकार की ओर से अवामी लीग की गतिविधियों पर प्रतिबंध देखना पड़ रहा है। यह सरकार लोगों के जनादेश के बिना देश चला रही है, जबकि देश ने अवामी लीग की नेतृत्व में स्वतंत्रता और संप्रभुता हासिल की है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)